THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है
हिन्दी समाचार पत्र
द अनकवर्ड अपडेट
कवर के पीछे की खबर | Digital Edition | RJHIN/25/A4779
www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, शुक्रवार 30 अक्टूबर, 2026 | वर्षः 01 | अंकः 08 | पृष्ठः 8 | मूल्यः 2.00 रू.

भगवत सिंह मेहता सभागार में राजस्थान राज्य सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री ने किया संवाद

जयपुर। जयपुर स्थित HCM RIPA के भगवत सिंह मेहता सभागार में राजस्थान राज्य सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद कर उनके विचारों, दृष्टिकोण और भावी प्रशासनिक दायित्वों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। प्रशासन की सार्थकता जनसेवा के संकल्प को जनविश्वास में और जनकल्याण की योजनाओं को आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव के रूप में साकार करने में है। संवेदनशीलता, कर्तव्यनिष्ठा और जवाबदेही सुशासन के ऐसे मजबूत स्तंभ हैं, जो प्रशासन को जनआकांक्षाओं से जोड़ते हैं।

मुझे विश्वास है कि आप सभी अपने ज्ञान, ऊर्जा और सेवाभाव से प्रदेश की प्रगति को नई दिशा देंगे तथा राजस्थान को विकास और सुशासन की नई ऊँचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। आप सभी को सफल, सार्थक और जनसेवा को समर्पित भावी कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ!

एक नजर

उत्तर प्रदेश सरकार का त्योहारों पर तोहफा, दीपावली और छठ के दौरान 24 घंटे मिलेगी बिजली

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी सरकार ने दीपावली, छठ और अन्य त्योहारों पर प्रदेशवासियों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की तैयारी तेज कर दी है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को त्योहारों के दौरान राज्य में 24 घंटे निर्बाध बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दीपावली प्रकाश का पर्व है, इसलिए अनावश्यक शटडाउन और बार-बार बिजली कटौती बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कर्नाटक की राज्यपाल डॉ. सुधा यादव ने राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राज्यपाल डॉ. सुधा यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह राज्यपाल का पदभार संभालने के बाद उनकी पहली मुलाकात थी। पीएमओ इंडिया ने एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पोस्ट में लिखा, कर्नाटक की राज्यपाल डॉ. सुधा यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को एक स्मृति चिह्न भी भेंट किया। उन्होंने राष्ट्पति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन के आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी गई।

इंडिया ब्लॉक की प्रस्तावित रैली पर कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे बोले-जनता को जगाने के लिए है हमारा संघर्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को होने वाला इंडिया ब्लॉक का विशाल विरोध प्रदर्शन तय कार्यक्रम के अनुरूप होगा। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने निरंकुश शासन के खिलाफ जनता को जगाने का बीड़ा उठाया है। मल्लिकार्जुन खड़गे की यह टिप्पणी कई व्यापार संगठनों द्वारा राहुल गांधी से विपक्ष के चलो दिल्ली मार्च को पुनर्निर्धारित करने के अनुरोध के बाद आई है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक द्वारा चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे एसआईआर अभ्यास में मतदान चोरी और अनियमितताओं के विरोध में यह मार्च आयोजित किया जा रहा है।

जयपुर में 112 ग्राम पंचायतों के लिए वोटिंग आज

3.78 लाख से ज्यादा मतदाता चुनेंगे 112 सरपंच; आज नामांकन की प्रक्रिया

जयपुर। पंचायत चुनाव के तहत जयपुर जिले की 112 ग्राम पंचायतों में चुनाव के लिए आज नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। अमरसर, आमेर, जालसू, रामपुरा-डाबड़ी, शाहपुरा पंचायत समितियों में आने वाली इन ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंच के लिए कल वोटिंग करवाई जाएगी। आज सुबह 8 बजे से इन सभी ग्राम पंचायतों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई, जो दोपहर 2 बजे पूरी होगी। जिला निर्वाचन शाखा की रिपोर्ट के मुताबिक 30 अक्टूबर को वार्ड पंच और सरपंच के लिए वोटिंग बैलेट पेपर के जरिए करवाई जाएगी। एक वोटर दो वोट देगा, एक वोट वार्ड पंच उम्मीदवार के लिए और दूसरा वोट सरपंच उम्मीदवार के लिए होगा।

413 पोलिंग बूथ बनाए

इन चुनावों के लिए निर्वाचन आयोग ने इन सभी 112 ग्राम पंचायतों में कुल 413 पोलिंग बूथ बनाए है।

कैंसर का 80 हजार रुपये का इंजेक्शन रु. 7 हजार में मिलेगा

543 दवाओं के दाम घटे; नई कीमतें 9 नवंबर से लागू होंगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में कैंसर की 543 दवा ब्रांडों और पैक की कीमतों में बदलाव किया गया है। राष्ट्रीय नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) के फैसले के बाद 397 यानी 73त्न दवाओं के दाम घटाए गए हैं। इनमें 217 दवाओं की कीमत आधे से भी कम हो गई है। 97 ब्रांड की दवाओं की कीमतों में 70% से ज्यादा और 50 में 80% से ज्यादा कटौती हुई है। पांच दवाओं की कीमतों में 90% से ज्यादा कटौती हुई है।

सबसे बड़ी कटौती सैमटेपा इंजेक्शन में हुई है। इसकी कीमत ?80,071 से घटाकर रु.7,150 कर दी गई है। पैलबोप्रो दवा के 21 कैप्सूल वाले पैक की कीमत ?40,421 से घटकर रु.2,720 हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को NPPA से सवाल किया था कि दवाओं की कीमतों पर लगाम क्यों नहीं लगाई जा रही? इसके बाद कंपनियों ने नई कीमतें जारी की हैं, जो 9 नवंबर से लागू होंगी।

जयपुर के सिविल लाइंस में भाजपा विधायक के घर चोरी

जयपुर। जयपुर के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले सिविल लाइंस एरिया में एक चोर ने सीनियर भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री प्रताप सिंह सिंघवी के घर को निशाना बनाया। बदमाश बुधवार देर रात करीब 2.15 बजे किचन की खिड़की तोड़कर अंदर घुसा था। करीब एक घंटे तक वो घर के ही अंदर था। सिंघवी के पीए राजवीर सिंह का दावा है कि बदमाश करीब डेढ़ लाख रुपए और आर्टिफिशियल ज्वेलरी ले गया। चोरी के दौरान घर में 10 से ज्यादा लोग सो रहे थे। घटना सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार विधायक का घर राजभवन से करीब 300 मीटर और सीएम हाउस से 500 मीटर की दूरी पर है।

ओडिशा में साइक्लोन से बाढ़, 300 गांवों में लोग फंसेः आंध्र प्रदेश में रेलवे पुल डूबा

जयपुर/लखनऊ/भोपाल/पटना। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान अर्नब भले ही कमजोर पड़ गया है लेकिन देश भर में इसका असर जारी है। चक्रवात ने सबसे ज्यादा ओडिशा और आंध्र प्रदेश में तबाही मचाई है। दोनों राज्यों में करीब 6 लोगों की मौत हुई है। ओडिशा के गंजाम जिले में लगातार 4 दिनों से भारी बारिश हो रही है।

नागपुर में अपनी जीत पर सीएम फडणवीस पर बरसी कांग्रेस, डिलीट पोस्ट को बनाया मुद्दा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के महत्वपूर्ण चुनाव में पार्टी की जीत के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर तीखा हमला किया, जहां कांग्रेस ने सीट बरकरार रखी।

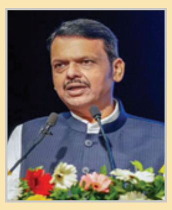

कड़े मुकाबले वाले इस चुनाव का समापन 45 घंटे से अधिक चली लंबी मतगणना के बाद हुआ। कांग्रेस उम्मीदवार अभिजीत वंजारी ने भाजपा के सुधाकर कोहाले को 3,271 वोटों के अंतर से हराकर जीत हासिल की।

राजस्थान में कर्मचारियों-पेंशनर्स का डीए 3% बढ़ाने की तैयारी

63 प्रतिशत हो जाएगा डीए; दिवाली बोनस की भी जल्द घोषणा

जयपुर(नि.सं.)। केंद्र सरकार के बाद अब राजस्थान सरकार भी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता तीन फीसदी बढ़ाने की तैयारी कर रही है। अभी राजस्थान में कर्मचारी और पेंशनर्स को 60 फीसदी डीए मिल रहा है। केंद्र के अनुसार बढ़ोतरी करने पर राजस्थान में कर्मचारियों और पेंशनर्स का डीए बढ़कर 63 फीसदी हो जाएगा। डीए बढ़ाने के साथ ही सरकार कर्मचारियों को दिवाली बोनस देने की घोषणा करने वाली है।

डीए और दिवाली बोनस को लेकर वित्त विभाग में तैयारी चल रही है

डीए और दिवाली बोनस को लेकर वित्त विभाग में तैयारी चल रही है। मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद वित्त विभाग कभी भी डीए बढ़ाने और दिवाली बोनस देने के आदेश जारी कर सकता है। राजस्थान में करीब 8 लाख सरकारी कर्मचारी और 5.44 लाख पेंशनर्स है। पंचायत समिति और जिला परिषद के कर्मचारियों का डीए बढ़ेगा। इससे सरकार पर करीब 1500 करोड़ के आसपास का आर्थिक भार आएगा।

अप्रैल में दो फीसदी बढ़ा था डीए, 58 से बढ़ाकर 60 फीसदी किया था डीए

राज्य सरकार ने इसी साल अप्रैल में कर्मचारियों और पेंशनर्स का डीए दो फीसदी बढ़ाया था। अप्रैल में डीए 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत किया था। राजस्थान में पिछले लंबे समय से केंद्र की घोषणा के बाद कुछ समय बाद ही राज्य सरकार भी डीए बढ़ाती रही है। अप्रैल में केंद्र सरकार के डीए बढ़ाने की घोषणा के पांचवें दिन राजस्थान सरकार ने भी डीए बढ़ा दिया था।

500 से लेकर 4500 रुपए तक महीने का फायदा होगा

डीए में तीन फीसदी की बढ़ोतरी से सरकारी कर्मचारियों और अफसरों को वेतनमान के हिसाब से अलग-अलग फायदा होगा। एल- 1 से लेकर एल-24 तक वेतनमान के हिसाब से अलग अलग राशि बनती है। डीए बढ़ने से 500 रुपए से लेकर 4500 रुपए तक हर महीने वेतन बढ़ेगा।

6 लाख नॉन गजटेड कर्मचारियों को 7000 रुपए दिवाली बोनस की तैयारी

राज्य सरकार दिवाली बोनस की जल्द घोषणा करने की तैयारी में है। प्रदेश के करीब 6 लाख नॉन गजटेड कर्मचारियों को एडहॉक बोनस के आदेश जारी करने की तैयारी चल रही है। बोनस से सरकार पर करीब 500 करोड़ का भार आएगा।

पीटीआई भर्ती-2022 का एग्जाम

एसओजी ने कनिष्ठ सहायक को गिरफ्तार किया

डमी कैंडिडेट बनकर पीटीआई भर्ती-2022 का एग्जाम दिया, बदले में 12 लाख रुपए लिए थे

जयपुर (नि.सं.)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) ने गुरुवार को पीटीआई भर्ती परीक्षा-2022 में डमी कैंडिडेट के रुप में बैठ परीक्षा पास करने वाले को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी विरमाराम बिश्नोई (45) फिलहाल उपखण्ड ऑफिस जसवंतपुरा, जालोर में कनिष्ठ सहायक के पद पर पदस्थापित है। वो कई दिनों से अनुपस्थित चल रहा था।

आरोपी पीटीआई भर्ती परीक्षा-2022 के एग्जाम में भारमल राम, निवासी धानता सांचोर,जालोर की जगह डमी कैंडिडेट के रुप में बैठा था। एग्जाम देने के बदले उसने कैंडिडेट से 12 लाख रुपए कैश लिए थे। एसओजी की ओर से फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

एसएमएस हॉस्पिटल — एक व्यक्ति के अंडकोष से बड़ी गांठ निकाली

एसएमएस में अंडकोष से निकाली सबसे बड़ी गांठ

ऑपरेशन को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने भेजा, डॉक्टर्स बोले-देश में पहला मामला

जयपुर (नि.सं.)। जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में एक व्यक्ति के अंडकोष से बड़ी गांठ निकाली गई। ऑपरेशन जनरल सर्जरी के डॉक्टरों की टीम ने किया और मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ्य है। डॉक्टर्स का दावा है कि अंडकोष से पहली बार इतनी बड़ी एपिडिडिमल सिस्ट (अंडकोष से निकलने वाली गांठ) निकालने की सर्जरी हुई है। इसे डॉक्टरों ने गिनिज वर्ल्ड बुक में दर्ज करवाने के लिए भी भिजवाया है। सर्जरी विभाग की अध्यक्ष डॉ. ऋचा जैन ने बताया कि दौसा निवासी जंगली राम मीणा (62) पिछले 5 साल से अंडकोष की गांठ से पीड़ित था। इतनी बड़ी गांठ का ऑपरेशन करने के लिए दूसरे कई हॉस्पिटलों में डॉक्टरों ने मना कर दिया।

7 अक्टूबर को हुआ था ऑपरेशनः इसके बाद मरीज ने एसएमएस ओपीडी में सर्जरी टीम को दिखाया। यहां डॉ. नरेंद्र शर्मा, डॉ.मो.साहिद,डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. आशीष भारद्वाज ने मरीज की तमाम जांचें करवाकर गांठ को एग्जामिन किया। रिपोर्ट में पता चला कि गांठ का साइज करीब 153×140×80MM है। इसके बाद टीम ने मरीज का 7 अक्टूबर को ऑपरेशन कर गांठ निकाली।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करवाने के लिए आवेदन

जनरल सर्जरी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर नरेन्द्र शर्मा ने बताया कि 153×140×80MM साइज की गांठ को देखते हुए हमारी टीम ने इस ऑपरेशन को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बुक में दर्ज करवाने के लिए भेजा है। डॉक्टर नरेन्द्र शर्मा ने बताया कि मरीज को एक सप्ताह ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद छुट्टी दे दी गई। उसे दो बार रुटीन चैकअप के लिए बुलाया और कंडीशन को देखा।

विला-कॉटेज खरीद मामला

आईएएस शिखर अग्रवाल को सभी पदों से हटाया

जयपुर। पिछले ढाई साल में एक कंपनी से 40 कॉटेज, विला खरीदने के मामले में विवादों में आए आईएएस शिखर अग्रवाल को सरकार ने देर रात एपीओ कर दिया है। शिखर अग्रवाल उद्योग, सूक्ष्म, लघु मध्यम उद्यम विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर विशिष्ट क्षेत्र विकास प्राधिकरण, रीको के अध्यक्ष, निवेश संवर्धन ब्यूरो, राजस्थान के अध्यक्ष भी थे।

बाल सुरक्षा एवं संरक्षण के प्रयासों की समीक्षा

संसदीय स्थायी समिति की बैठक की तैयारियों की समीक्षा

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए विभिन्न योजनाएं और कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को शासन सचिवालय में इन योजनाओं के क्रियान्वयन तथा बच्चों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित

विभागों के कार्यों और आपसी समन्वय की प्रगति की जानकारी ली। यह बैठक नई दिल्ली में 2 नवंबर को प्रस्तावित संसदीय स्थायी समिति की बैठक की तैयारियों के संदर्भ में आयोजित की गई। इसमें संबंधित कानूनों के क्रियान्वयन, बाल संरक्षण के क्षेत्र में सामने आ रही चुनौतियों तथा राज्य में अपनाई जा रही प्रभावी कार्यप्रणालियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। मुख्य सचिव ने जांच एवं अभियोजन की प्रक्रियाओं, विधि विज्ञान परीक्षण तथा न्यायालयों में प्रकरणों की प्रभावी पैरवी से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने बाल श्रम, बाल विवाह, मानव तस्करी और गुमशुदा बच्चों से संबंधित मामलों में विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के समन्वित प्रयासों की प्रगति भी जानी। श्रीनिवास ने विद्यालयों एवं समुदाय के स्तर पर बाल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाले कार्यक्रमों और बच्चों के विरुद्ध अपराधों की सूचना प्राप्त करने की व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने जरूरतमंद बच्चों तक सहायता एवं संरक्षण सेवाएं पहुंचाने के लिए किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली। अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह श्री भास्कर ए. सावंत ने बताया कि वर्ष 2024 से 28 अक्टूबर 2026 तक आईटीएसएसओ प्रणाली पर अनुपालन 92.3 प्रतिशत रहा। उन्होंने पॉक्सो प्रकरणों की नियमित निगरानी, वैज्ञानिक एवं डिजिटल साक्ष्य संकलन तथा संवेदनशील प्रकरणों की जांच करने वाले पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण से जुड़े प्रयासों की जानकारी दी।

राज्यपाल ने शक्ति वंदन मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया

महिला सशक्तिकरण और उद्यमिता प्रोत्साहन के लिए हो कार्य : बागडे

शक्ति संवाद, उद्यम उत्सव में महिला उद्यमिता प्रदर्शनी का किया अवलोकन

जयपुर(नि.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शक्ति वंदन मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने शक्ति संवाद, उद्यम उत्सव के आलोक में आयोजित महिला उद्यमिता प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। बागडे ने सेवायाम संस्था के अंतर्गत महिला उद्यमिता प्रोत्साहन और उनकी रक्षा से जुड़े एप को

महत्वपूर्ण बताते हुए इसके लिए नगर निगम, जयपुर की पूर्व महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के प्रयासों की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सही अवसर, मार्गदर्शन और सहयोग मिलता है, तो वे न केवल अपना भविष्य बदलती हैं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। उन्होंने शक्ति वंदन अभियान को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के विचार से प्रेरित बताते हुए महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं को केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि उद्यमी, रोजगार सृजित करने वाली नेतृत्वकर्ता और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार के रूप में जाना जाए। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा महिलाओं के विकास के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, लाडली बहना आदि योजनाओं को महती बताते हुए महिला उद्यमिता प्रोत्साहन के लिए अधिक से अधिक कार्य किए जाने पर जोर दिया। इससे पहले नगर निगम की पूर्व महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने महिला उद्यमिता के लिए और उनकी सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बताया।

1500 के जवाब अब सीएस 15 दिन में दिलवाएंगे:स्पीकर ने 30 दिन में मांगे थे सवालों के जवाब, नहीं भेजे

जयपुर। प्रदेश का 2027 का बजट बनना अभी प्रारंभिक चरण में है। लेकिन सीएस वी श्रीनिवास के स्तर से 100 दिन पहले ही सत्र की प्लानिंग शुरू कर दी है। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सभी आईएएस को लंबित सवालों के जवाब 30 दिन में देने के आदेश दिए थे। उसकी पालना नहीं की गई। इस कारण विधानसभा में विधायकों द्वारा लगाए सवालों के जवाबों को लेकर ब्यूरोक्रेसी ने अलग प्लान तैयार किया है। मुख्य सचिव खुद ने इस बार कमान हाथ में ली है। मुख्य सचिव ने 40 विभागों के आईएएस को अगले 15 दिन में 1500 सवालों के जवाब विधानसभा भेजने का टास्क दिया है। ऐसा नहीं करने पर विभाग प्रमुखों को विधानसभा को जवाब देना होगा। उनको सीधे स्पीकर के सामने या विधानसभा की प्रश्न एवं संदर्भ समिति के समक्ष पेश होना होगा।

2777 सवालों के जवाब नहीं भेजे विभागों ने

अब तक विधानसभा में लगाए गए 2777 सवालों के जवाब विभागों की तरफ से विधानसभा को नहीं भेजे गए हैं। अब इन सभी करीब 3000 सवाल, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों, विशेष उल्लेख प्रस्तावों के जवाब सत्र से पहले भिजवाने की जिम्मेदारी सीएस ने ली है।

30 दिन के नियम की पालना नहीं

विधानसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमों के नियम 307 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत अध्यक्ष के निर्देश संख्या 15 के बिंदु संख्या 21 में प्रावधान है कि विधानसभा सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने पर राज्य सरकार द्वारा 30 दिवस की अवधि में संबंधित प्रश्नों एवं प्रस्तावों के उत्तर विधानसभा सदस्यों और राजस्थान विधानसभा सचिवालय को भेजे जाने हैं।

न्यूज ब्रीफ

नगर निगम: साल 2004 के बाद नियुक्त कार्मिकों को भी मिलेगा 20 हजार तक GPF ऋण

जयपुर(नि.सं.)।दीपावली के पावन पर्व से ठीक पहले नगर निगम जयपुर प्रशासन ने अपने हजारों कर्मचारियों को बड़ी आर्थिक राहत प्रदान की है। निगम ने अपने पूर्व आदेश में महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए 1 जनवरी 2004 के बाद नियुक्त कार्मिकों पर लगाई गई बंदिश को पूरी तरह हटा दिया है। अब इन कार्मिकों को भी त्योहार के उपलक्ष्य में उनके सामान्य भविष्य निधि (GPF) खाते में जमा राशि का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 20,000 रुपये तक ऋ्रण (एडवांस) मिल सकेगा। नगर निगम जयपुर द्वारा 16 अक्टूबर 2026 को जारी मूल आदेश संख्या 1226 में सफाई कर्मचारियों, अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक सेवा तथा चतुर्थ श्रेणी के स्थाई कर्मचारियों को जीपीएफ से त्योहार ऋ्रण देने का प्रावधान किया गया था।

छात्रवृत्ति हेतु आवेदन 31 दिसम्बर तक किये जा सकेंगे

जयपुर(नि.सं.)। राज्य में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शिक्षण संस्थाओं के छात्रवृत्ति पोर्टल पर ऑनलाईन पंजीकरण कर आवेदन की अंतिम दिनांक 31 अक्टूबर में संशोधन किया गया है। ललित कुमार, निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने बताया कि योजनान्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शिक्षण संस्थाओं के छात्रवृत्ति पोर्टल पर पंजीयन/नवीनीकरण, कोर्स मैपिंग, मान्यता एवं पाठ्यक्रमानुसार फीस स्ट्रक्चर आदि अद्यतन करने एवं राजकीय व निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के द्वारा पेपरलैस ऑनलाईन पंजीकरण कर आवेदन करने के लिए पूर्व में निर्धारित अंतिम तिथि 31 अक्टूबर में संशोधन किया जाकर अंतिम दिनांक को 31 दिसम्बर तक बढ़ा दिया गया है।

सीएम रेखा गुप्ता ने सपरिवार करवाचौथ की विधिवत पूजा-अर्चना की

मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में सपरिवार करवाचौथ की विधिवत पूजा-अर्चना की। करवाचौथ का यह पावन पर्व पति-पत्नी के बीच अटूट प्रेम, आपसी विश्वास और पूर्ण समर्पण का अनूठा प्रतीक है।

चतुर्थ चरण के निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

भयमुक्त, निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान के लिए सभी व्यवस्थाएं रखें चाक-चौबंद : राजेश्वर सिंह

जैसलमेर/जयपुर(नि.सं.)। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने कहा कि पंचायती राज आम चुनाव-2026 के चतुर्थ चरण में प्रत्येक मतदाता भयमुक्त वातावरण में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से अपने मताधिकार का उपयोग कर सके, इसके लिए निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारी पूर्ण गंभीरता, सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करते हुए मतदान एवं मतगणना से संबंधित सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएं। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री सिंह ने जैसलमेर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में चतुर्थ चरण के निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी मतदान केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के साथ पर्याप्त सुरक्षा जाब्ता तैनात किया जाए। मतदान दलों के गंतव्य स्थलों तक समय पर पहुंचने, उनके ठहरने तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की प्रभावी तैयारी रखी जाए, ताकि निर्वाचन कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

मतदान केन्द्रों पर बुनियादी सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने मतदान केन्द्रों पर पेयजल, विद्युत एवं प्रकाश, शौचालय, साफ-सफाई तथा रैम्प सहित सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान दलों के प्रशिक्षण की समीक्षा करते हुए कहा कि निर्वाचन कार्य में नियुक्त कार्मिकों को मतदान प्रक्रिया, दायित्वों एवं निर्धारित दिशा-निर्देशों की समुचित जानकारी दी जाए।

डोटासरा बोले- शिखर अग्रवाल मामले की ED-CBI से जांच करवाए:मुख्यमंत्री मगरमच्छ ढूंढ रहे थे, वो मिलने शुरू हो गए होंगे

जयपुर। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आईएएस शिखर अग्रवाल को एपीओ करने के मामले में राज्य सरकार पर तंज कसा है। डोटासरा ने पूरे मामले में भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए ईडी-सीबीआई से जांच करवाने का चैलेंज दिया है।
डोटासरा ने कहा- बीजेपी सरकार का पाप का घड़ा भर चुका है और फूट रहा है, अभी तो उसमें से सुराग निकल रहे हैं। पहले सुधांश पंत को हटाया गया, फिर शिखर अग्रवाल को यहां से हटाया गया, फिर डीजीपी बनने की कहानी शुरू हुई। एक-दूसरे की से ओर शह-मात का खेल चल रहा है। सरकार में बैठे हुए नेता और अफसरों का भ्रष्टाचार का धीरे-धीरे भंडाफोड़ हो रहा है, यह उसकी शुरुआत है यह पहली कड़ी है

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने कहा-

मुख्यमंत्री मगरमच्छ ढूंढ रहे थे, मुख्यमंत्री को मगरमच्छ मिलने शुरू हो गए होंगे। आप कांग्रेस पर आरोप लगा रहे थे। ये जो दौलतपुरा में पहाड़ पर रिजॉर्ट काट रहे थे, उसकी नीलामी को आखिरी डेडलाइन से दो घंटे पहले किसके इशारे पर क्यों रोका गया और कितना बड़ा खेल करने का षड्यंत्र सरकार में बैठे हुए लोगों ने रचा है।

ED, CBI भ्रष्टाचार रोकने के लिए बनी है तो इस मामले में भी जांच करवाएं

डोटासरा ने कहा- जो अफसर सीएमओ में सीएम का सबसे नजदीक था, यह छोटा पद नहीं होता है, उसके जितने फैसले होते हैं वह सीएम के फैसले माने जाते हैं। कंपनी को जो भी रिलीफ दी गई है, वो सीएम की अध्यक्षता वाली कमेटी ने दी है। सीएम को जांच भी करनी चाहिए। ये ईडी, इनकम टैक्स सीबीआई क्या कांग्रेस को डराने, धमकाने के लिए बनी है या भ्रष्टाचार रोकने के लिए बनी है। अगर भ्रष्टाचार रोकने के लिए बनी है तो इस मामले में भी जांच करवाएं।

किस अफसर से किसको निपटाना ये भाजपा का खेल

डोटासरा ने कहा- यह खेल तो भाजपा का ही है। किस अफसर से किसको निपटाना है, कागज कहां से लाना है, यह तो भाजपा ही दे रही है। ये तो अपना

भेद खुद ही खोलने में लगे हैं। आप देखना अगर इनके साथ कुछ हुआ यह किस-किस के साथ क्या-क्या खेल करेंगे यह भी देखने वाली बात है।

जिसने दो साल सरकार चलाई वो चुप थोड़े ही बैठेगा

डोटासरा ने सुधांश पंत को लेकर कहा- दो साल जिसने सरकार चलाई हो, वो ऐसे ही थोड़े ही बैठा है। राजनीति में नेता एक-दूसरे पर भाले फेंकते हैं तो अफसर बच जाते हैं, लेकिन अफसर एक-दूसरे पर भाले फेंकते हैं तो सरकार भी निपटेगी और यह भी निपटाएंगे। केवल एक अफसर की बात नहीं है। यह पूरी सरकार की कार्य शैली को उजागर कर दिया है।

यह ब्यूरोक्रेट्स की नहीं, भ्रष्टाचार की लड़ाई

डोटासरा ने कहा- यहां से किसी को भेजोगे तो वह कुछ तो करेगा, वह भी सीनियर आईएएस है, सीएस रहा है, उसे हटाए कोई छोटी-मोटी बात नहीं है। वो भी अपने साथ सीएमओ का एक विकेट लेकर गया था । यह जो आपस की लड़ाई है, यह केवल ब्यूरोक्रेसी की आपसी लड़ाई नहीं है। यह भ्रष्टाचार की लड़ाई है और इसमें ऊपर से नीचे तक सारे लोग इस भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं।

आगे अब राजनेताओं के मामले आएंगे

डोटासरा ने कहा- ये ऊपर के एक और दो नंबर की लड़ाई में जिस जिसके पात्र बने हुए हैं।

जयपुर में अश्विनी वैष्णव-अलवर में ज्योतिराजे सिंधिया निकालेंगे पदयात्रा:कांग्रेस के खिलाफ बीजेपी आज से राजस्थान में करेगी आंदोलन; कोटा में सीएम बताएंगे SIR के फायदे

जयपुर। एसआईआर और वोट चोरी के मुद्दे पर बीजेपी और सरकार पर कांग्रेस और विपक्षी दल लगातार हमलावर हो रहे हैं। कांग्रेस देशभर में इस मुद्दे को लेकर आंदोलन कर रही है। वहीं अब बीजेपी भी सड़कों पर उतरकर एसआईआर के फायदे जनता को बताने जा रही है। राजस्थान में बीजेपी के 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के तहत संभाग स्तर पर पदयात्राओं निकाली जाएंगी। इन पदयात्राओं में मुख्यमंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्री और पार्टी के बड़े नेता शामिल होंगे। सभी संभाग मुख्यालय और बड़े शहरों में शुक्रवार से बीजेपी नेता पदयात्रा निकालेंगे और जनसभाएं करेंगे। अभियान के तहत बीजेपी नेता दफ्तरों से निकलकर जनता के बीच जाएंगे और उन्हें एसआईआर के फायदें बताकर कांग्रेस के नरेटिव को तोड़ने का प्रयास करेंगे। राजस्थान में पदयात्रा और जनसभा को लेकर भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को बैठक हुई। इसमें विधायक कालीचरण सराफ, बालमुंकुदाचार्य सहित पूर्व विधायक रामलाल शर्मा भी मौजूद रहे।
राजस्थान में पदयात्रा और जनसभा को लेकर भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को बैठक हुई। इसमें विधायक कालीचरण सराफ, बालमुंकुदाचार्य सहित पूर्व विधायक रामलाल शर्मा भी मौजूद रहे।

शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान | **जयपुर के झोटवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई**

3,180 किलो खराब किशमिश और 480 पैकेट अखरोट नष्ट करवाए

मिलावट के संदेह पर 1,018 किलो काली मिर्च सीज, जांच के लिए नमूना लिया

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन तथा प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ के निर्देशन में प्रदेश में 'शुद्ध आहारङ्कमिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। अभियान के तहत जयपुर के झोटवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र स्थित कोल्ड स्टोरेज गोदाम में निरीक्षण के दौरान 7-8 वर्ष पुरानी किशमिश एवं अखरोट रखे मिले। खाद्य सुरक्षा दल ने संबंधित फर्मों के

प्रतिनिधियों की सहमति से 3,180 किलोग्राम खराब किशमिश और 480 पैकेट अखरोट नष्ट करवाए। वहीं, मिलावट के संदेह पर 1,018 किलोग्राम काली मिर्च सीज की गई। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, राजस्थान श्री अविचल चतुर्वेदी के निर्देशानुसार, अतिरिक्त आयुक्त श्री भगवत सिंह के मार्गदर्शन एवं संयुक्त आयुक्त श्री वी.पी. शर्मा के पर्यवेक्षण में केंद्रीय खाद्य सुरक्षा दल के अधिकारियों ने यह कार्रवाई की। झोटवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र स्थित कोल्ड स्टोरेज गोदाम के निरीक्षण के दौरान करीब 7-8 वर्ष पुरानी किशमिश एवं अखरोट रखे पाए गए।

मौके पर किशमिश एवं अखरोट से संबंधित फर्म मैसर्स अर्चना एंटरप्राइजेज और दिल्ली ट्रेडिंग कंपनी के प्रतिनिधियों को बुलाया गया।

उनकी सहमति से 3,180 किलोग्राम खराब किशमिश तथा 480 पैकेट अखरोट नष्ट करवाए गए। इस कार्रवाई का उद्देश्य खराब एवं मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त खाद्य सामग्री को बाजार में पहुंचने से रोकना है। एक अन्य कार्रवाई में मैसर्स मातेश्वरी ट्रेडिंग कंपनी से काली मिर्च का एक नमूना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत जांच के लिए लिया गया।

छह राज्यों में 1600 संदिग्ध विदेशी नागरिक मिले, मतदाता सूची से हटाए जाएंगे नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे सिस्टमैटिक आइडेंटिफिकेशन एंड रिव्यू (एसआईआर) अभियान के तहत एक अहम जानकारी सामने आई है। इस अभियान के तहत छह राज्यों में करीब 1600 संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है, जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाने हैं। एसआईआर का काम इन छह राज्यों में पूरा हो चुका है और कुछ अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया अभी भी जारी है। यह कदम मतदाता सूची की अखंडता को बनाए रखने और यह तय करने के लिए अहम है कि केवल पात्र भारतीय नागरिक ही मतदान कर सकें। एक रिपोर्ट के मुताबिक जिन 1,600 संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है, उनकी संख्या इन छह राज्यों के कुल मतदाताओं की संख्या के मुकाबले बहुत कम है। इन छह राज्यों में रहने वाले मतदाताओं की कुल संख्या 9.86 करोड़ है, जिससे पता चलता है कि यह अभियान बड़े पैमाने पर नहीं, बल्कि लक्षित रूप से त्रुटियों को सुधारने पर केंद्रित है। यह निर्वाचन आयोग की निरंतर कोशिशों का हिस्सा है ताकि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की अनियमितता या अपात्र व्यक्ति के नाम को समाप्त किया जा सके।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड- मुंबई पुलिस पर दिखावे की कार्रवाई का आरोप

मुंबई। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में उनकी पत्नी शहजीन सिद्दीकी ने मुंबई पुलिस पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उनका कहना है कि पुलिस केवल दिखावे की कार्रवाई कर रही है और अपनी मनमानी छिपाने के लिए प्रशासनिक अड़चनों का सहारा ले रही है।
शहजीन के वकील त्रिवनकुमार करनानी ने कहा कि मुंबई पुलिस जानबूझकर अदालती आदेशों के बावजूद जेल में पूछताछ या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हिरासत सुनिश्चित करने जैसे आवश्यक कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह प्रशासनिक देरी हत्या के मामले की सुनवाई को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है, खासकर तब जब पुलिस को प्रक्रियागत विकल्पों की जानकारी है।
उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर 2024 को मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में उनके बेटे के कार्यालय के बाहर तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नाम सामने आया था, और मुंबई पुलिस ने अपनी चार्जशीट में लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई को वांछित आरोपी के रूप में चिन्हित किया है। ये आरोप तब सामने आए हैं, जब मुंबई पुलिस पर बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुए हालिया हमले के बाद भी सवाल उठ रहे हैं। 18 सितंबर को जुहू में हुए इस हमले में टाइगर के ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति घायल हुए थे, और घटना में भी लॉरेंस बिश्नोई का कनेक्शन उजागर हुआ था। सिद्दीकी की पत्नी के आरोप मौजूदा स्थिति में पुलिस की कार्यप्रणाली पर और दबाव बढ़ा रहे हैं।

सऊदी अरब में उमरा करने गए हजारों जायरीन फंसे

नई दिल्ली। सऊदी अरब में उमरा करने गए चार हजार से अधिक भारतीय जायरीन उड़ानों के प्रभावित होने से फंस गए हैं। 8 अक्टूबर को रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमलों के बाद उनकी वापसी मुश्किल हो गई है। कई जायरीन मक्का–मदीना के अलावा जेद्दा और दम्माम में फंसे हैं। उनके पास पैसे और नियमित दवाइयां खत्म होने लगी हैं, जिससे परेशानियां बढ़ रही हैं। होटल और खाने–पीने का खर्च भी लगातार बढ़ रहा है। भारतीय दूतावास और एयरलाइंस की ओर से यात्रियों की मदद के प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ यात्रियों को होटल और भोजन उपलब्ध कराया गया है, लेकिन सभी के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पा रही है। कई जायरीन एक ही कमरे में 10 से 15 लोगों के साथ रहने को मजबूर हैं। बुजुर्गों और बीमार यात्रियों की स्थिति अधिक चिंताजनक है।

जियो की धमाकेदार एंट्री, रिलायंस बना देश का नंबर वन कारोबारी समूह

टाटा समूह दूसरे और अदाणी समूह तीसरे स्थान पर

रिलायंस समूह का संयुक्त मार्केट कैप 8.9 लाख करोड़ पहुंचा, टाटा समूह से ?3.23 लाख करोड़ आगे

रिलायंस इंडस्ट्रीज और जियो प्लेटफॉर्म्स की संयुक्त मार्केट वैल्यू ही ?28.7 लाख करोड़ पहुंची

द अनकवर्ड अपडेट

मुंबई। शेयर बाजार में जियो प्लेटफॉर्म्स की धमाकेदार एंट्री ने देश के सबसे मूल्यवान कारोबारी समूहों की रैंकिंग बदल दी है। बुधवार को जियो का शेयर ?1,358 पर लिस्ट होते ही रिलायंस समूह ने टाटा समूह को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल कर लिया। जियो की लिस्टिंग के बाद रिलायंस समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त मार्केट कैप ?28.9 लाख करोड़ पहुंच गया। टाटा समूह ?25.6 लाख करोड़ के साथ दूसरे और अदाणी समूह ?16.6 लाख करोड़ के साथ तीसरे स्थान पर रहा।
जियो की इस एंट्री ने रिलायंस समूह की मार्केट वैल्यू में बड़ा इजाफा किया। ?1,119 के इश्यू प्राइस के मुकाबले जियो का शेयर ?1,358 पर लिस्ट हुआ, यानी 21.4 फीसदी प्रीमियम पर। इस भाव पर जियो का मार्केट कैप ?12.5 लाख करोड़ पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज और जियो प्लेटफॉर्म्स की संयुक्त मार्केट वैल्यू ही ?28.7 लाख करोड़ हो गई। *जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरहोल्डर्स की संख्या भी देश में सबसे ज्यादा है। कंपनी के कुल 79.8 लाख शेयरहोल्डर्स हैं।*
मुंबई स्थित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (हस्थ्र) में जियो की लिस्टिंग के अवसर पर पारंपरिक बेल-रिंगिंग सेरेमनी आयोजित की गई। समारोह में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, नीता अंबानी, आकाश अंबानी, ईशा अंबानी और अनंत अंबानी शामिल हुए। लिस्टिंग से पहले आकाश, ईशा और अनंत अंबानी ने कार्यक्रम को संबोधित किया। जियो प्लेटफॉर्म्स के मैनेजिंग डायरेक्टर आकाश अंबानी ने कहा, 'आज की लिस्टिंग मंजिल नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। हम खुलकर संवाद करेंगे, अपने वादे निभाएंगे और अपने काम से आपका भरोसा जीतेंगे।'
इस लिस्टिंग की एक और खास बात यह रही कि मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज और जियो प्लेटफॉर्म्स देश की क्रमशः पहली और दूसरी सबसे मूल्यवान लिस्टेड कंपनियां बन गईं। अकेले इन दो कंपनियों की संयुक्त मार्केट वैल्यू ही टाटा समूह की सभी सूचीबद्ध कंपनियों के कुल मार्केट कैप से ?3.1 लाख करोड़ अधिक रही। इस तरह जियो की एंट्री ने देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों के साथ-साथ बड़े कारोबारी समूहों की रैंकिंग भी बदल दी।
यह तुलना कारोबारी समूहों की सूचीबद्ध कंपनियों के संयुक्त बाजार पूंजीकरण के आधार पर की गई है। रिलायंस समूह की गणना में छ्वद्बश्र Financial Services को शामिल नहीं किया गया है।

महारैली से पहले कांग्रेस का आरोप: सरकार रोक रही कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचने से

नई दिल्ली, एजेंसी। एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की वोट बचाओ महा रैली और दिल्ली चलो मार्च से पहले कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया है कि देश के विभिन्न हिस्सों से रैली में शामिल होने दिल्ली आ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोका जा रहा है।

कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल के आरोप का अन्य पार्टी नेताओं ने समर्थन किया है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जेबी माथेर ने पुष्टि कर कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि देश के विभिन्न कोनों से दिल्ली आ रहे कार्यकर्ताओं को रोका जा रहा है। उन्होंने दृढ़ता से कहा, वे हमें रोकने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन भारत के हर कोने से लोग दिल्ली जरूर पहुंचने वाले है। कांग्रेस प्रवक्ता उदित राज ने वेणुगोपल के आरोप का समर्थन करते हुए भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपने कार्यक्रमों के लिए स्पेशल ट्रेनें लगाती है, लेकिन इस बार कांग्रेस के लिए अतिरिक्त कोच भी अटैच नहीं होने दे रही है। उदित राज ने कहा कि मोदी सरकार राहुल गांधी से डरी हुई है और 1 नवंबर को रामलीला मैदान में रैली न हो सके, इसकी हरसंभव कोशिश कर रही है। कांगेस महासचिव वेणुगोपाल ने विशेष रूप से तेलंगाना सहित कई राज्यों से दिल्ली आ रहे कार्यकर्ताओं, सांसदों और विधायकों को रोकने की कोशिश का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय रेलवे ने तेलंगाना से दिल्ली के लिए विशेष ट्रेनों की मांग को ठुकराया, जिसके विरोध में तेलंगाना कांग्रेस ने सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे कार्यालय के बाहर प्रदर्शन भी किया था।

मंदिर प्रवेश पर मद्रास हाईकोर्ट का सख्त रुख: गैर-हिंदुओं को श्रद्धा अनिवार्य

चेन्नई, एजेंसी । मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने अहम फैसले में कहा है कि हिंदू मंदिरों में इसतरह के गैर-हिंदुओं को प्रवेश नहीं दिया जा सकता, जो वहां के प्रमुख देवता के प्रति श्रद्धा जताने से इंकार करते हैं। मद्रास अदालत ने स्पष्ट किया कि मंदिरों की सदियों पुरानी परंपराओं और रीति-रिवाजों को राजनीतिक चमचागिरी और चुनावी दिखावे के आगे झुकने नहीं दिया जा सकता। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस पी मुरुगन की पीठ ने टिप्पणी मंदिरों में प्रवेश से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान की। अदालत ने साफ किया कि उसका फैसला केवल आगमिक मंदिरों तक सीमित है, जहां पूजा-पद्धति प्राचीन आगम ग्रंथों के अनुसार तय होती है, जैसे मदुरै का प्रसिद्ध मीनाक्षी अम्मन मंदिर।
मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के विधायक बदरुद्दीन मुस्तफा के मीनाक्षी अम्मन मंदिर जाने पर सवाल उठाए, जिन्होंने चुनाव जीतने के बाद सुविधाओं का जायजा लेने के लिए दौरा किया था। अदालत ने उनके कथित बयान पर आपत्ति जाहिर की, जिसमें सनातन धर्म को खत्म करने की बात कही गई थी, और कहा कि मंदिरों की परंपराओं को राजनीतिक चापलूसी के आगे नहीं झुकाया जा सकता। अदालत ने तिरुवन्नामलाई के अरुणाचलेश्वर मंदिर में टोपी पहने कुछ लोगों के विरोध के बावजूद प्रवेश करने के वायरल वीडियो का उल्लेख किया, जिस पर मंदिर प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठे।

इसके विपरीत, अदालत ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के मीनाक्षी अम्मन मंदिर जाने के तरीके की प्रशंसा की। ईसाई धर्म को मानने वाले विजय ने प्रवेश से पहले देवी मीनाक्षी के प्रति श्रद्धा जताने वाला सहमति-पत्र भरा था। पीठ ने इस पहल को समावेशी बताकर कहा कि उनसे धर्म बदलने के लिए नहीं, बल्कि केवल देवी के प्रति सम्मान की पुष्टि करने को कहा गया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि मंदिर में प्रवेश की प्रक्रिया का पालन करना और धर्म बदलना दो अलग-अलग बातें हैं, और श्रद्धा की शर्त परंपराओं का सम्मान सुनिश्चित करती है।
पीठ ने साफ किया कि यह आदेश सभी धार्मिक स्थलों या परंपराओं पर लागू नहीं होगा। अदालत ने सबरीमाला के भगवान अयप्पा और शिरडी साईं बाबा का उदाहरण दिया, जिनके अनुयायी अलग-अलग धर्मों से आते हैं। अदालत ने कहा कि आगमिक मंदिरों की अपनी विशिष्ट धार्मिक परंपराएं हैं, जिनका सम्मान होना चाहिए। पीठ ने तमिलनाडु के मंदिरों में प्रवेश से जुड़े कानूनी प्रावधानों को लागू करने पर जोर दिया।

सुप्रीम कोर्ट का घरेलू हिंसा में महिलाओं को संरक्षण - महिलाओं को संयुक्त घर से बेदखल करने पर रोक

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू हिंसा के मामलों में महिलाओं के अधिकारों को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल पति के घर में मौजूद न होने के आधार पर पत्नी और उसकी महिला रिश्तेदारों को साझा घर से बेदखल नहीं किया जा सकता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विभुल एम. पांचोली की पीठ ने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के प्रावधानों की व्याख्या करते हुए यह बात कही। अदालत के अनुसार, पति की गैर–मौजूदगी में भी महिला रिश्तेदारों को बेदखल करना कानून के तहत उचित नहीं है। साझा घर से प्रतिवादी को हटाने का आदेश देने के मामले में महिलाओं के संरक्षण को ध्यान में रखना आवश्यक है। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस संरक्षण का अर्थ घरेलू हिंसा से पीड़ित महिला के कानूनी अधिकारों को समाप्त करना नहीं है। यह फैसला महिलाओं के आवास संबंधी अधिकारों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अरुणाचल में सियांग बांध पर उबाल: चीन को मात देने की योजना का लोकल विरोध

नई दिल्ली , एजेंसी। नई दिल्ली (ईएमएस)। अरुणाचल प्रदेश का पासीघाट शहर और पूरा पूर्वी सियांग जिला इन दिनों केंद्रीय सशस्त्र बल (सीएपीएफ) की भारी तैनाती के साथ उबल रहा है। बीते 15 दिनों से राज्य के तीन जिलों में हो रहे हिंसक विरोध-प्रदर्शनों की वजह सियांग घाटी में प्रस्तावित एक मेगा बांध परियोजना है।
दरअसल, भारत सियांग नदी पर 11,200 मेगावाट का विशाल बांध और जलाशय बनाने की तैयारी में है। इसका मुख्य उद्देश्य चीन की उस महत्वाकांक्षी परियोजना का मुकाबला करना है, जिसके तहत वह नदी के ऊपरी हिस्से में 60,000 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना विकसित करने की तैयारी में है। यह नदी तिब्बत से निकलकर चीन और फिर अरुणाचल प्रदेश में सियांग के रास्ते भारत में आती है, और बाद में असम में ब्रह्मपुत्र के नाम से जानी जाती है। केंद्र सरकार का अनुमान है कि चीन इस नदी का करीब 40 अरब क्यूबिक मीटर पानी मोड़ सकता है। इसी के जवाब में, नई दिल्ली ने सियांग अपर मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट (एसयूएमपी) की योजना बनाई है, जो कि नेशनल हाइड्रो पावर कॉरपोरेशन (एनएचपीसी) क्रियान्वित कर रहा है।
हालांकि, रणनीतिक योजना ने सियांग घाटी में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शनों को जन्म दिया है, जिसमें अधिकांशतः जेन जेड पीढ़ी के युवा शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों की मुख्य चिंता यह है कि प्रस्तावित बांध और जलाशय से राज्य के 32 गांव पानी में डूब जाएंगे। 23 अक्टूबर को स्थिति उस समय हिंसक हो गई, जब परियोजना को रद्द करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों ने एनएचपीसी के कार्यालय और पुलिस वाहनों में आग लगा दी। उन्होंने दो विधायकों और राज्य भाजपा प्रमुख के आवासों में भी तोड़फोड़ और लूटपाट की। इन घटनाओं के बाद लगभग 10 पुलिस केस दर्ज किए गए हैं और 26 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है।
हिंसा और बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त कर अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने का प्रस्ताव रखा है।उन्होंने लिखा कि सियांग अपर मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट को लेकर फैली गलत जानकारी और गलतफहमियों को दूर करने के लिए तथ्यों, पारदर्शिता और खुली बातचीत बहुत जरूरी है। राज्य सरकार का कहना है कि प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट पर काम केवल एक तकनीकी आकलन है, न कि बांध बनाने की अंतिम मंजूरी। सुबनसिरी अपर हाइडल प्रोजेक्ट (एसयूएचपी) जैसे अन्य मेगा डैम के साथ-साथ 11,200 मेगावाट का यह सियांग अपर मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट भारत के लिए रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह अरुणाचल में चीन की ऊपरी बहाव वाली भारी-भरकम गतिविधियों का मुकाबला करने और आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

सीएम चौधरी की लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा पर तेजस्वी का पलटवार... "चोर सबसे ज्यादा शोर मचा रहे

पटना, एजेंसी । बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा का नेतृत्व किया। यह पदयात्रा कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष द्वारा लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ फैलाए जा रहे कथित भ्रामक विमर्श का मुकाबला करने के उद्देश्य से निकाली गई। हालांकि, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पहल को पाखंड करार देकर पलटवार कर कहा कि जो लोग लोकतंत्र को कुचलते हैं, वे ही फर्जी कवायद कर रहे हैं।
पटना के गांधी मैदान के पास कारगिल चौक से शुरू होकर लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा के निकट समाप्त हुई इस पदयात्रा से पहले मुख्यमंत्री चौधरी ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कमजोर करने और देश भर में अराजकता फैलाने के प्रयास हो रहे हैं, लेकिन ये प्रयास सफल नहीं होने वाले है। उन्होंने इस लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा के लिए भाजपा के देशव्यापी कार्यक्रम का हिस्सा बताया। सीएम चौधरी ने कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर चुनावी गड़बड़ियों, बूथ लूटने और सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय बताया।

वहीं तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री के आरोपों पर प्रतिक्रिया देकर कहा, ''चोर सबसे ज्यादा शोर मचा रहे हैं। जो संस्थाओं की खरीद-फरोख्त करते हैं, वे लोकतंत्र की बात कर रहे हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार से जुड़े मुद्दे जैसे वास्तविक सवालों से लोगों का ध्यान भटकाना चाहती है।
उधर, बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने प्रतिकार पदयात्रा बताकर कहा कि यह विदेशी ताकतों से मिलीभगत कर सत्ता परिवर्तन की साजिश रचने और अराजकता फैलाने की कोशिशों का जवाब है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत माता-पिता के संबंध में कांग्रेस नेताओं द्वारा कथित अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल की कड़ी आलोचना की। मुख्यमंत्री चौधरी ने बिहार विधान परिषद चुनावों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन पर निशाना साधकर कहा कि मतपत्रों से चुनाव होने के बावजूद कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी, जबकि राहुल गांधी अक्सर ईवीएम पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि वह किस तरीके से चुनाव कराना चाहती है, क्योंकि वह न ईवीएम से जीत रही है और न ही मतपत्रों से।

करवा-चौथ पर मेहंदी लगाकर व्रत रखकर प्रदर्शन करने सड़क पर उतरीं नर्सें

लखनऊ, एजेंसी। आज यानी गुरुवार को नर्सों ने दो घंटे कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया। हाथों में मेहंदी लगाकर और दुल्हन की तरह सज-संवरकर महिलाएं प्रदर्शन करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और वादाखिलाफी का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी नर्सों ने हाथों में चलनी लेकर अपनी मांगों को रखा। उनका यह प्रदर्शन करवा चौथ पर चांद देखने की परंपरा से जुड़ा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजकीय नर्सेस संघ यूपी के महामंत्री ने कहा कि आज यह प्रदर्शन बलरामपुर अस्पताल समेत प्रदेश के सभी अस्पतालों में हो रहा है। उन्होंने बताया कि एक साल पहले इसी अस्पताल के प्रांगण में सीएम योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने हमारी मांगों को पूरा करने का वादा किया था मगर अभी तक पूरा नहीं किया है। प्रदेश के मुखिया और स्वास्थ्य विभाग के मुखिया के द्वारा किया गया वादा पूरा नहीं होगा तो किसी और पर क्या भरोसा करें।

आतंकवाद छोड़े पाकिस्तान तभी होगी बात: खुद पाकिस्तानी विशेषज्ञ ने कहा

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत द्वारा नई दिल्ली में आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम में पाकिस्तान को भेज निमंत्रण ने दोनों देशों के बीच संभावित बातचीत की अटकलों को तेज किया है। हालांकि, पाकिस्तानी विशेषज्ञ ने अपने ही देश की पोल खोलकर साफ कहा है कि भारत तब तक इस्लामाबाद से कोई वार्ता नहीं करेगा, जब तक वह आतंकवाद के मुद्दे पर गंभीर रुख नहीं दिखाता है।
पाकिस्तानी पत्रकार के यूट्यूब चैनल पर जानकार शकील चौधरी ने स्पष्ट किया कि नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच बातचीत की संभावना बहुत कम है। चौधरी के अनुसार, भारत का प्राथमिक ध्यान अपने विकास पर केंद्रित है और वह किसी भी तरह का तनाव नहीं चाहता। उन्होंने तर्क दिया कि पड़ोसी देश से अच्छे संबंध और सीमा पर शांति भारत की तरक्की और विकास दर के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए भारत पाकिस्तान के साथ युद्ध जैसी स्थिति नहीं चाहेगा। पाकिस्तान में चरमपंथी हमलों के पीछे भारत का हाथ होने के इस्लामाबाद के आरोपों को शकील चौधरी ने सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि भारत की सीमा न बलूचिस्तान से लगती है और न ही खैबर पख्तूनख्वा से, इसके बाद वहां भारत का हस्तक्षेप करना अत्यंत कठिन है। चौधरी ने पाकिस्तानी सैन्य जनरलों के पुराने बयानों की याद दिलाई, जिसमें 2016 में राहील शरीफ ने आतंकवाद के खात्मे का दावा किया था, लेकिन परिणाम कुछ और ही रहा। उन्होंने चुनौती दी कि यदि पाकिस्तान के पास भारत के खिलाफ कोई सबूत है, तब उस सबूत को संयुक्त राष्ट्र में पेश करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर शकील चौधरी ने गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने हाल ही में जापान के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा का जिक्र किया, जिसके दौरान जारी संयुक्त बयान में खुले तौर पर पाकिस्तान का नाम लेकर आलोचना की गई। चौधरी ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक बड़ा और दुर्लभ घटनाक्रम बताया, क्योंकि देशों द्वारा नाम लेकर आलोचना सामान्यतः नहीं की जाती। उन्होंने 2010 में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री डेविड कैमरून द्वारा भी पाकिस्तान की आलोचना का उदाहरण देकर कहा कि वैश्विक समुदाय पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करता।

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो
विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

स्वच्छ शौचालय का अधिकार, व्यवस्था की जवाबदेही

किसी देश के विकास का आकलन केवल आर्थिक आंकड़ों, बड़ी परियोजनाओं और आधुनिक सुविधाओं से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना जरूरी है कि आम नागरिक को जीवन की बुनियादी जरूरतें कितनी सहजता से उपलब्ध हैं। स्वच्छ सार्वजनिक शौचालय ऐसी ही एक आवश्यकता है, जिसका संबंध केवल साफ-सफाई से नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, गरिमा और नागरिक अधिकारों से भी है। इसके बावजूद यदि लोगों को इस सुविधा के लिए अदालतों के निर्देशों का इंतजार करना पड़े, तो यह शासन की प्राथमिकताओं और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करता है। देश में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए लंबे समय से अभियान चलाए जा रहे हैं। स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से शौचालय निर्माण और खुले में शौच की समस्या दूर करने पर जोर दिया गया। इन प्रयासों से कई क्षेत्रों में सुधार भी हुआ है, लेकिन केवल शौचालय बना देना पर्याप्त नहीं है। उसका नियमित रखरखाव, पानी की उपलब्धता, सफाई और सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। अनेक सार्वजनिक स्थानों पर शौचालयों की कमी और उपलब्ध सुविधाओं की बदहाली बताती है कि निर्माण के साथ संचालन और निगरानी पर भी पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है। इस समस्या का गंभीर पहलू महिलाओं की जरूरतों से जुड़ा है। सार्वजनिक स्थानों, विद्यालयों और कार्यस्थलों पर साफ तथा सुरक्षित शौचालयों का अभाव महिलाओं के लिए असुविधा के साथ स्वास्थ्य और सम्मान का प्रश्न भी बन जाता है। उन्हें कई बार अपनी आवश्यकताओं को टालना पड़ता है या असुरक्षित परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति समान अवसर और सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी को भी प्रभावित करती है। इसलिए महिलाओं के लिए अलग, स्वच्छ और सुरक्षित शौचालयों की व्यवस्था किसी विशेष सुविधा की मांग नहीं, बल्कि बुनियादी आवश्यकता है। देशभर के अदालत परिसरों में महिला वकीलों के लिए आवश्यक सुविधाओं की कमी को लेकर सर्वोच्च न्यायालय का सख्त रुख इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने राज्य सरकारों, केंद्रशासित प्रदेशों और उच्च न्यायालयों को महिला वकीलों के लिए अलग बार-कक्ष और शौचालय सहित जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, आवश्यक बजट उपलब्ध कराने और निर्देशों के क्रियान्वयन की निगरानी पर जोर दिया गया है। यह स्थिति विचारणीय है कि जहां नागरिकों को न्याय दिलाने की व्यवस्था संचालित होती है, वहां काम करने वाली महिला वकीलों को ही बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझना पड़े। सवाल यह भी है कि ऐसी कमियों को दूर करने के लिए बार-बार न्यायालयों को हस्तक्षेप क्यों करना पड़ता है। जनकल्याण से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकारों और संबंधित प्रशासनिक संस्थाओं की जिम्मेदारी है। अदालतें अधिकारों की रक्षा और संवैधानिक दायित्वों के पालन के लिए निर्देश दे सकती हैं, लेकिन नियमित प्रशासनिक कामकाज का विकल्प नहीं बन सकतीं। यदि बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी हो जाए, तो यह व्यवस्था की कार्यप्रणाली में मौजूद खामियों की ओर संकेत करता है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी एक याचिका की सुनवाई के दौरान स्वच्छ शौचालयों तक आम लोगों की पहुंच को जीवन के अधिकार से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय माना। यह दृष्टिकोण बताता है कि स्वच्छता को केवल व्यक्तिगत आदत या स्थानीय निकायों के सीमित दायित्व के रूप में नहीं देखा जा सकता। सार्वजनिक सुविधाओं का अभाव व्यक्ति के स्वास्थ्य, सम्मान और सुरक्षित जीवन को प्रभावित करता है। इसलिए इनकी उपलब्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना शासन की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल होना चाहिए। समस्या केवल धन की कमी से जुड़ी नहीं है। कई बार योजनाओं के लिए बजट उपलब्ध होने के बावजूद रखरखाव, जिम्मेदारी तय करने और नियमित निरीक्षण की व्यवस्था कमजोर रहती है। कहीं शौचालयों में पानी नहीं होता, कहीं सफाई नहीं होती और कहीं पर्याप्त संख्या में सुविधाएं उपलब्ध नहीं होतीं। इन कमियों को दूर करने के लिए स्थानीय निकायों, प्रशासन और संबंधित संस्थाओं के बीच स्पष्ट जिम्मेदारी तय करना आवश्यक है। सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति का नियमित आकलन हो और लापरवाही सामने आने पर जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए। सरकारों को यह समझना होगा कि स्वच्छता के दावे तभी सार्थक हैं, जब उनका लाभ आम नागरिक के दैनिक जीवन में दिखाई दे।

> स्वच्छता के बड़े दावों के बीच सार्वजनिक शौचालयों की बदहाली शासन की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े करती है। जब महिलाओं को अदालत परिसरों तक में बुनियादी सुविधाओं के लिए न्यायालयों का दरवाजा खटखटाना पड़े, तो यह केवल व्यवस्था की कमी नहीं, बल्कि जवाबदेही का भी प्रश्न है।

नई पीढ़ी के विवेक से बनेगा विकसित भारत

> डिजिटल युग में नई पीढ़ी के सामने चुनौती केवल ज्ञान हासिल करने की नहीं, बल्कि सही और गलत में अंतर समझने की भी है। अधिकारों के साथ कर्तव्यों, तकनीक के साथ विवेक और सफलता के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का बोध ही युवाओं को राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभाने योग्य बनाएगा। यह नागरिकों के छोटे-छोटे जिम्मेदार व्यवहार से भी आकार लेता है। सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा, नियमों का पालन, स्वच्छता, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और समाज के कमजोर वर्गों के प्रति सहयोग जैसी गतिविधियां राष्ट्रीय विकास को आधार देती हैं। नई पीढ़ी जब इन जिम्मेदारियों को अपने जीवन का स्वाभाविक हिस्सा बनाती है, तब वह देश की प्रगति में वास्तविक योगदान देती है।

आज की नई पीढ़ी ऐसी दुनिया में बड़ी हो रही है, जहां सीखने के साधन केवल परिवार और विद्यालय तक सीमित नहीं हैं। मोबाइल, इंटरनेट, सामाजिक माध्यम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने उसके ज्ञान और विचारों की दुनिया का विस्तार किया है। इस बदलाव ने अवसर बढ़ाए हैं, लेकिन चुनौतियां भी पैदा की हैं। ऐसे में सवाल यह नहीं है कि युवा कितनी जानकारी हासिल कर रहे हैं, बल्कि यह है कि वे उस जानकारी का उपयोग किस तरह करते हैं। विकसित भारत के निर्माण के लिए नई पीढ़ी को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के साथ विवेकशील, संवेदनशील और जिम्मेदार बनाना भी आवश्यक है। आज के युवाओं में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। वे शिक्षा, समान अवसर, सम्मान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को महत्व देते हैं। लोकतांत्रिक समाज के लिए यह जागरूकता जरूरी है, लेकिन अधिकारों की समझ तभी पूरी होती है, जब व्यक्ति अपने कर्तव्यों को भी उतनी ही गंभीरता से स्वीकार करे। लोकतंत्र केवल अधिकार प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं, बल्कि दूसरों के अधिकारों का सम्मान करते हुए अपनी जिम्मेदारियां निभाने की जीवन पद्धति भी है। यदि व्यक्ति अपने अधिकारों के लिए सजग हो, लेकिन समाज के प्रति अपने दायित्वों की अनदेखी करे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना कठिन हो जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ दूसरों के विचार सुनने और उनका सम्मान करने का दायित्व जुड़ा है। अपनी बात रखने का अधिकार किसी दूसरे की गरिमा को ठेस पहुंचाने की छूट नहीं देता। इसी तरह सार्वजनिक सुविधाओं का लाभ लेने के साथ उनकी रक्षा करना भी नागरिक का कर्तव्य है। नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि अधिकार और कर्तव्य एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे को पूर्णता देने वाले तत्व हैं।

जब युवा अपने अधिकारों का उपयोग समाज के व्यापक हित को ध्यान में रखकर करते हैं, तब उनकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी राष्ट्र की शक्ति बनती है। डिजिटल माध्यमों के विस्तार ने इस जिम्मेदारी को और बढ़ा दिया है। आज कोई भी सूचना कुछ ही क्षणों में बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच सकती है। लेकिन किसी सामग्री का लोकप्रिय होना उसकी सत्यता का प्रमाण नहीं है। भ्रामक संदेश, अधूरी जानकारी और बिना पुष्टि के साझा की गई सामग्री समाज में भ्रम तथा तनाव पैदा कर सकती है। इसलिए विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यमों का उपयोग सिखाने के साथ यह भी समझाना जरूरी है कि किसी सूचना पर विश्वास करने से पहले उसकी विश्वसनीयता जांचें। तकनीक का ज्ञान तभी सार्थक है, जब उसके साथ जिम्मेदारी और विवेक भी जुड़ा हो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने ज्ञान प्राप्त करने के नए रास्ते खोले हैं। विद्यार्थी अब अनेक

प्रश्नों के उत्तर तुरंत पा सकते हैं, लेकिन हर उत्तर को सही मान लेना उचित नहीं है। तकनीक सहायता कर सकती है, परंतु अंतिम निर्णय के लिए मानवीय विवेक आवश्यक है। शिक्षा का उद्देश्य केवल प्रश्नों के उत्तर उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में सही प्रश्न पूछने, तथ्यों की जांच करने और अलग-अलग दृष्टिकोणों को समझने की क्षमता विकसित करना भी होना चाहिए। आलोचनात्मक चिंतन की यही आदत उन्हें भ्रम और वास्तविकता के बीच अंतर करने में सक्षम बनाएगी। इस प्रक्रिया में संस्कार और नैतिक मूल्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्कार का अर्थ केवल परंपराओं का पालन करना नहीं, बल्कि सत्य के प्रति प्रतिबद्धता, दूसरों के प्रति सम्मान, सहानुभूति, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। ये मूल्य व्यक्ति को उन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने में मदद करते हैं, जहां नियमों या पुस्तकों में हर प्रश्न का स्पष्ट उत्तर नहीं मिलता। असफलता का सामना करना हो, कठिन परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना हो या किसी दबाव के बावजूद सही रास्ते पर टिके रहना हो, इन सभी स्थितियों में ज्ञान के साथ चरित्र और विवेक की आवश्यकता होती है। इसलिए परिवार और विद्यालय की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। परिवार बच्चों को व्यवहार से सीखने का अवसर देता है, जबकि विद्यालय उनकी सोच को व्यवस्थित और व्यापक दृष्टि प्रदान करता है। शिक्षकों को विद्यार्थियों में जिज्ञासा, तार्किक सोच, सहयोग और सामाजिक संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करना चाहिए। सामुदायिक गतिविधियों, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सेवा और समूह में काम करने के अवसरों से बच्चों को यह अनुभव कराया जा सकता है कि नागरिक जिम्मेदारी केवल पुस्तकीय अवधारणा नहीं, बल्कि दैनिक जीवन का हिस्सा है। राष्ट्र निर्माण केवल सरकारों की योजनाओं या बड़ी परियोजनाओं से नहीं होता। यह नागरिकों के छोटे-छोटे जिम्मेदार व्यवहार से भी आकार लेता है। सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा, नियमों का पालन, स्वच्छता, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और समाज के कमजोर वर्गों के प्रति सहयोग जैसी गतिविधियां राष्ट्रीय विकास को आधार देती हैं। नई पीढ़ी जब इन जिम्मेदारियों को अपने जीवन का स्वाभाविक हिस्सा बनाती है, तब वह देश की प्रगति में वास्तविक योगदान देती है।

विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए ऐसे युवाओं की आवश्यकता है, जो आधुनिक तकनीक में दक्ष होने के साथ नैतिक रूप से दृढ़ हों, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ कर्तव्यों का निर्वहन भी करें और व्यक्तिगत सफलता के साथ समाज के हित को महत्व दें। शिक्षा की सफलता केवल डिग्रियों, अंकों या रोजगार तक सीमित नहीं हो सकती। उसका वास्तविक मूल्य इस बात में है कि वह व्यक्ति को जीवन की चुनौतियों का सामना करने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने योग्य कितना बनाती है। जब ज्ञान के साथ विवेक, स्वतंत्रता के साथ अनुशासन और महत्वाकांक्षा के साथ सेवा भावना जुड़ती है, तभी नई पीढ़ी राष्ट्र निर्माण की सशक्त आधारशिला बन सकती है।

भीड़ की मनमानी से कानून का इकबाल कमजोर

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में पिता-पुत्र को निर्वस्त्र कर सड़क पर घुमाने की घटना बताती है कि जब भीड़ खुद को न्यायाधीश मानने लगती है, तब कानून का शासन कमजोर पड़ने लगता है। किसी व्यक्ति के आचरण पर आपत्ति हो या उस पर कोई आरोप लगाया गया हो, उसे सार्वजनिक रूप से अपमानित करने और दंड देने का अधिकार किसी को नहीं है। ऐसी घटनाएं केवल पीड़ित की गरिमा को चोट नहीं पहुंचातीं, बल्कि समाज में कानून के प्रति सम्मान और न्याय व्यवस्था पर भरोसे को भी कमजोर करती हैं। कोलकाता के सरसुना क्षेत्र में हुई इस घटना के अनुसार, एक युवक अपनी मित्र से मिलने गया था। इसके बाद युवती के परिजनों ने युवक को पकड़ लिया और उसके पिता को भी वहां बुला लिया। आरोप है कि दोनों को निर्वस्त्र कर सड़क पर घुमाया गया। यह व्यवहार किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता। यदि किसी को किसी व्यक्ति के आचरण पर आपत्ति है, तो उसके लिए कानूनी रास्ते उपलब्ध हैं। आरोपों की जांच करना और दोष सिद्ध होने पर दंड देना न्यायिक व्यवस्था का काम है, न कि किसी परिवार या भीड़ का। इस मामले में पुलिस की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। खबरों के मुताबिक, आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उन्हें कमर में रस्सियां बांधकर, बिना कमीज और नंगे पैर इलाके में घुमाया। यदि यह कार्रवाई आरोपियों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने या घटना का प्रदर्शन करने के उद्देश्य से की गई, तो यह भी कानून के शासन की भावना के विपरीत है। अपराध के आरोप में गिरफ्तार व्यक्ति के साथ भी कानून के अनुरूप व्यवहार किया जाना चाहिए। पुलिस का दायित्व अपराध की जांच करना, साक्ष्य जुटाना और आरोपियों को न्यायालय के सामने प्रस्तुत करना है, न कि ऐसी कार्रवाई करना जो न्याय से अधिक प्रदर्शन जैसी लगे। यहां मूल प्रश्न पुलिस की जवाबदेही का है। जब कोई भीड़ कानून अपने हाथ में लेती है, तब पुलिस से अपेक्षा होती है कि वह पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करे। लेकिन यदि पुलिस भी सार्वजनिक अपमान को कार्रवाई का तरीका बना ले, तो कानून और प्रतिशोध के बीच का अंतर धुंधला होने लगता है। कानून की प्रतिष्ठा आरोपियों को अपमानित करने से नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और विधिसम्मत कार्रवाई से बढ़ती है।ऐसी घटनाओं के पीछे सामाजिक असहिष्णुता, व्यक्तिगत प्रतिशोध और दूसरों के जीवन पर मनमाना नियंत्रण स्थापित करने की प्रवृत्ति जैसे कारण भी हो सकते हैं। परिवार की असहमति या सामाजिक मान्यताओं के नाम पर किसी व्यक्ति की गरिमा छीन लेना स्वीकार्य नहीं हो सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर नागरिक को सम्मान और सुरक्षा के साथ जीने का अधिकार है। किसी के निजी संबंधों या व्यवहार को लेकर विवाद होने पर भी हिंसा, अपमान और सार्वजनिक दंड का सहारा नहीं लिया जा सकता। इस तरह की घटनाओं का असर केवल पीड़ितों तक सीमित नहीं रहता। सार्वजनिक रूप से अपमानित किए जाने का भय लोगों को असुरक्षित बनाता है। साथ ही, जब कानून का उल्लंघन करने वालों को यह विश्वास होने लगता है कि वे भीड़ के समर्थन या सामाजिक दबाव के सहारे बच सकते हैं, तो कानून का प्रभाव कमजोर पड़ता है। ऐसी स्थिति में पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे निष्पक्षता से कार्रवाई करें तथा पीड़ितों को सुरक्षा और न्याय दिलाएं।

रिश्तों की गहराई के लिए अहंकार छोड़ना जरूरी

हम अक्सर किसी व्यक्ति के कुछ शब्दों, व्यवहार या बाहरी व्यक्तित्व के आधार पर उसके बारे में राय बना लेते हैं। हमें लगता है कि हम उसे अच्छी तरह समझ चुके हैं, जबकि किसी इंसान को जानना इतना आसान नहीं होता। हर व्यक्ति के भीतर अनुभवों, भावनाओं, संघर्षों और अनकही कहानियों की अनेक परतें होती हैं। कई बार वह स्वयं भी अपनी भावनाओं को पूरी तरह नहीं समझ पाता। इसके बावजूद हम उसे समझने से पहले ही परखने लगते हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि हम दूसरों को उनकी वास्तविकता के बजाय अपनी धारणाओं के आधार पर देखना चाहते हैं। जीवन में कुछ अनुभव हमारी इस सोच को चुनौती देते हैं। किसी से हुई बातचीत, उसका अप्रत्याशित व्यवहार या किसी परिस्थिति का नया पहलू हमें अपनी पुरानी मान्यताओं पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करता है। तब एहसास होता है कि जिसे हम अपनी समझदारी मान रहे थे, उसमें पूर्वाग्रह भी शामिल हो सकते हैं। ऐसे क्षण दूसरों को नए नजरिए से देखने का अवसर देते हैं और हमें अपने भीतर झांकने के लिए भी प्रेरित करते हैं। यही आत्मबोध की शुरुआत है। अपनी सोच पर सवाल उठाना आसान नहीं होता। इसके लिए साहस और विनम्रता दोनों की जरूरत होती है। हम अक्सर गलती स्वीकारने से इसलिए बचते हैं, क्योंकि हमें लगता है कि इससे हमारा सम्मान कम हो जाएगा। जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है। अपनी भूल को पहचानना और उसे सुधारने का प्रयास करना व्यक्तित्व की मजबूती का संकेत है। जो व्यक्ति अपनी सोच बदलने के लिए तैयार रहता है, वह सीखने और बेहतर बनने की संभावनाओं को खुला रखता है। यहां आत्मसम्मान और अहंकार के बीच का अंतर समझना भी जरूरी है। आत्मसम्मान हमें अपनी गरिमा बनाए रखना सिखाता है, जबकि अहंकार कई बार हमें अपनी गलतियों को देखने से रोकता है। आत्मसम्मान वाला व्यक्ति असहमति के बावजूद दूसरों की बात सुन सकता है। इसके विपरीत, अहंकार से घिरा व्यक्ति हर बहस में स्वयं को सही साबित करना चाहता है। वह दूसरों के तर्कों को समझने के बजाय अपनी मान्यता की रक्षा में लगा रहता है। धीरे-धीरे यही प्रवृत्ति रिश्तों में दूरी और संवादहीनता पैदा करने लगती है। किसी व्यक्ति को वास्तव में समझने के लिए केवल उसके शब्दों और व्यवहार पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। यह जानने की कोशिश भी करनी चाहिए कि उसके व्यवहार के पीछे कौन-से अनुभव, परिस्थितियां और भावनाएं काम कर रही हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि हर व्यवहार को सही मान लिया जाए, बल्कि यह है कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले दूसरे का पक्ष भी समझा जाए। कई बार जिस व्यवहार को हम उदासीनता समझते हैं, उसके पीछे थकान, चिंता या कोई अनकहा संघर्ष हो सकता है।

संवेदनशीलता हमें इन संभावनाओं के प्रति सजग बनाती है। रिश्तों को मजबूत बनाने में सुनने की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी अपनी बात कहने की। अक्सर बातचीत के दौरान हम दूसरे की बात पूरी होने से पहले ही जवाब तैयार करने लगते हैं।

हमारा उद्देश्य उसकी भावना समझना नहीं, बल्कि अपनी बात सही साबित करना होता है। ऐसी बातचीत में शब्द तो होते हैं, लेकिन संवाद की आत्मा गायब रहती है। जब हम बिना पूर्वाग्रह के किसी को सुनते हैं, तो उसे यह भरोसा मिलता है कि उसकी भावनाओं और विचारों का महत्व है। यही भरोसा रिश्तों में अपनापन और निकटता बढ़ाता है। प्रेम भी इसी समझ, स्वीकार्यता और परिपक्वता से गहरा होता है। किसी की खूबियों से प्रभावित होना आसान है, लेकिन उसकी कमियों और वास्तविकताओं को समझते हुए उसके साथ संबंध निभाना अधिक कठिन है। सच्चा प्रेम दूसरे व्यक्ति को अपनी अपेक्षाओं के अनुसार बदलने की कोशिश भर नहीं है। उसमें संवाद, सम्मान और एक-दूसरे को समझने की इच्छा भी शामिल होती है। जब दोनों व्यक्ति अपनी धारणाओं पर पुनर्विचार करने और जरूरत पड़ने पर अपनी गलती स्वीकारने के लिए तैयार होते हैं, तब रिश्ते अधिक सहज और विश्वसनीय बनते हैं। जीवन में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन हर मतभेद को जीत और हार का प्रश्न बना देना रिश्तों को कमजोर करता है। जरूरी यह नहीं कि हर परिस्थिति में हमारी बात ही सही साबित हो, बल्कि यह है कि हम परिस्थिति को कितनी व्यापकता से समझ पाते हैं। कभी-कभी दूसरे का दृष्टिकोण हमारी समझ को समृद्ध कर सकता है और कभी अपनी गलती स्वीकारना किसी संबंध को टूटने से बचा सकता है। आखिरकार, आत्मबोध का अर्थ केवल अपनी खूबियों को पहचानना नहीं, बल्कि अपनी सीमाओं और पूर्वाग्रहों को स्वीकार करना भी है। जब हम अहंकार से ऊपर उठकर दूसरों को समझने का प्रयास करते हैं, तब हमारे भीतर सहानुभूति और संवेदनशीलता के लिए जगह बनती है। रिश्तों की वास्तविक गहराई इसी जगह से जन्म लेती है। अपनी सोच पर सवाल उठाना स्वयं को कमजोर करना नहीं, बल्कि बेहतर इंसान बनने की दिशा में पहला कदम है।

उदिति सिंह के साथ रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे करण वाही

बिग बॉस 20 में उदिति सिंह लगातार एक्टर करण वाही के साथ अपने पुराने रिश्ते को लेकर बात करती रहती हैं। वह शो में अपने ब्रेकअप की वजह भी बता चुकी हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि करण ने उनके साथ बुरा बर्ताव किया था और उनके डॉगी को भी गलत तरीके से ट्रीट किया था। अब करण वाही ने इस पूरे मामले पर खुद चुप्पी तोड़ी है। एक्टर ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे। करण ने उन अटकलों पर भी विराम लगाया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ब्रेकअप से पहले दोनों की शादी होने वाली थी।

करण वाही ने बातचीत में उदिति सिंह के साथ अपने रिश्ते और ब्रेकअप की वजह पर बात की। उन्होंने बताया कि जब दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया, तब वह करीब 33 साल के थे और जिंदगी के उस पड़ाव पर थे, जहां किसी रिश्ते में आने से पहले उसके भविष्य के बारे में सोचना जरूरी मानते थे। करण के मुताबिक, वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाने के इरादे से आगे बढ़े थे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि दोनों की शादी की तारीख या कोई पक्की योजना तय हो चुकी थी।

शादी का इरादा था, लेकिन कोई पक्की योजना नहीं थी

करण वाही ने बताया कि उदिति को डेट करते समय उनके मन में शादी का विचार था। उन्होंने कहा, 'जब मैंने उन्हें डेट करना शुरू किया, तब मैं 33-34 साल का था। इसलिए, मैं ऐसी उम्र में था जहां मेरा सोचना था कि अब अगर मैं किसी रिश्ते में आता हूं, तो वह शादी में बदलना चाहिए। वरना, मुझे ऐसा कोई रिश्ता नहीं चाहिए।' करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके रिश्ते को लेकर शादी की योजना बनने की खबरें सही नहीं थीं। लॉकडाउन के दौरान दोनों ने साथ समय बिताया था और अपने भविष्य को लेकर बातचीत भी की थी, लेकिन इसे शादी तय होने के रूप में देखना गलत होगा। एक्टर ने कहा कि उनका इरादा रिश्ते को शादी तक ले जाने का था, जिसे लोगों ने शायद इस तरह समझ लिया कि दोनों जल्द शादी करने वाले थे।

करण वाही ने ब्रेकअप की वजह पर की बात

उदिति सिंह से अलग होने के कारण पर बात करते हुए करण ने कहा कि दोनों एक-दूसरे के साथ उतने अनुकूल नहीं थे। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक-दूसरे के साथ उतने कम्पेटिबल नहीं थे। कम से कम मेरे लिए तो यही सच है।' करण ने उन अटकलों को भी खारिज किया कि उनके माता-पिता के दखल या आपत्ति की वजह से रिश्ता खत्म हुआ था। दोनों की उम्र में करीब 10 साल का अंतर भी उनके रिश्ते को लेकर चर्चा का विषय रहा था, लेकिन करण ने इसे ब्रेकअप की वजह साफ नहीं की।

उदिति के लिए मन में नहीं है कड़वाहट

करण वाही ने बातचीत में यह भी साफ किया कि उदिति से अलग होने के बाद उनके मन में कोई कड़वाहट नहीं है। भले ही उनका रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच पाया, लेकिन वह बीते समय को लेकर कोई शिकायत नहीं रखते। करण ने उदिति के प्रति सकारात्मक भाव जाहिर करते हुए कहा कि वह उनके लिए खुश हैं। करण के इस बयान के बाद उनके और उदिति के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं में एक नया पहलू सामने आया है। एक्टर ने स्पष्ट किया कि रिश्ता शादी के इरादे से शुरू हुआ था, लेकिन दोनों के बीच अनुकूलता की कमी के कारण वह आगे नहीं बढ़ पाया।

एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर ने टीवी शो 'वसुधा' के बारे में दी अपडेट

टीवी एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर इन दिनों अपने शो 'वसुधा' में देव और वसुधा की शादी के ट्रैक को लेकर एक्साइटेड हैं। जी टीवी के इस शो में दोनों की जिंदगी एक नया मोड़ लेने जा रही है। खास बात यह है कि इस बार वसुधा को चंद्रिका की मंजूरी भी मिल रही है। शो में देव का किरदार अभिषेक शर्मा निभा रहे हैं, जबकि वसुधा के रोल में प्रिया ठाकुर नजर आ रही हैं। शादी के इस ट्रैक को लेकर प्रिया ने बताया कि पर्दे पर दुल्हन बनना उन्हें हमेशा पसंद रहा है, हालांकि भारी लहंगे, जूलरी और घंटों तक शूटिंग करना आसान नहीं होता। शो में देव और वसुधा की शादी पहले भी हो चुकी है, लेकिन इस बार उनकी शादी का मतलब दोनों के लिए काफी अलग है। इसकी सबसे बड़ी वजह चंद्रिका का वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करना है। दर्शक लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे और अब पूरे परिवार को दोनों के रिश्ते का जश्न मनाते देखना उनके लिए खास होगा।

शादी के ट्रैक के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा, ''दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि चंद्रिका वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करें। मुझे लगता है कि यही बात इस शादी को खास बनाती है। भले ही देव और वसुधा की पहले भी शादी हो चुकी है, लेकिन इस बार चंद्रिका की मंजूरी और आशीर्वाद के साथ पूरा परिवार उनके रिश्ते का जश्न मना रहा है। सभी को उनके लिए खुश होते देखना हमारे लिए भी खास पल है और उन फैंस के लिए भी, जो लंबे समय से देव और वसुधा को इस तरह एक होते देखना चाहते थे।'' प्रिया ने कहा, ''शो में शादी से जुड़े कई शानदार फंक्शन दिखाए गए हैं और यह उन सभी फैंस के लिए एक छोटा सा तोहफा है, जिन्होंने देव और वसुधा के सफर में उनका साथ दिया है। शादी के ट्रैक की शूटिंग हमेशा मजेदार होती है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। भारी कपड़े, जूलरी और सेट पर लंबे समय तक काम करना आसान नहीं होता। मुझे स्क्रीन पर दुल्हन बनना हमेशा पसंद रहा है।

म्यूजिकल लव स्टोरी में बनी आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की जोड़ी

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और अभिनेत्री तारा सुतारिया जल्द ही बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं। दोनों फिल्म निर्माता भूषण कुमार की आगामी इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में लीड रोल प्ले करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी करेंगे। वहीं, शिव चानना को-प्रोड्यूसर के तौर पर फिल्म से जुड़े हैं। बता दें कि यह फिल्म प्यार, भावनाओं और संगीत से भरपूर होने वाली है। खास बात यह है कि दर्शकों को आदित्य और तारा की नई ऑनस्क्रीन जोड़ी देखने को मिलेगी।

पहली बार साथ नजर आएंगे आदित्य और तारा

आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड में अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए खास पहचान रखते हैं। 'आशिकी 2' जैसी फिल्म में उनके अभिनय और रोमांटिक अंदाज को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। वहीं तारा सुतारिया भी अपनी खूबसूरती, अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में दोनों को एक इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा।

टी-सीरीज के साथ तारा का तीसरा प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट में तारा 'मरजावां' के बाद भूषण कुमार और मिलाप मिलन जवेरी के साथ फिर से काम कर रही हैं । उन्होंने पहले भी टी-सीरीज के साथ 'एक विलेन रिटर्न्स' में काम किया था और अब यह बैनर के साथ उनका तीसरा काम है। एक रॉ और इमोशनल लव स्टोरी के सेंटर में, इस फिल्म का मकसद लड़ाई और हाई-स्टेक ड्रामा के बैकग्राउंड में रोमांस को दिखाना है।

कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

निर्माताओं की योजना के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग इसी साल के अंत तक शुरू होगी और इसे 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म के आधिकारिक नाम और रिलीज डेट की घोषणा होना बाकी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की यह नई रोमांटिक जोड़ी बड़े पर्दे पर दर्शकों का दिल जीतने में कितनी सफल होती है।

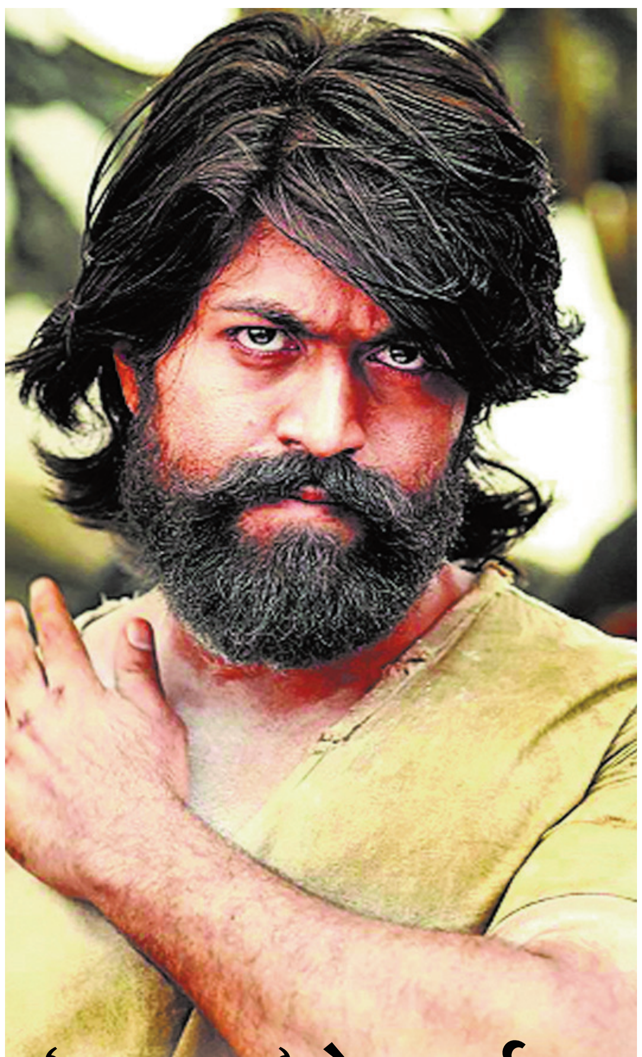

'रामायण' के कर्नाटक डिस्ट्रीब्यूशन की कमान संभालेंगे यश!

'रामायण' में रावण के किरदार में नजर आने वाले रॉकिंग स्टार यश अब सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, पर्दे के पीछे भी मचाएंगे धमाल! नमित मल्होत्रा के साथ फिल्म के प्रोड्यूसिंग पार्टनर यश की कंपनी मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग अब कर्नाटक में फिल्म की रिलीज की जिम्मेदारी संभालेगा। रावण बनकर बड़े पर्दे पर छाने की तैयारी कर रहे रॉकिंग स्टार यश का 'रामायण' से जुड़ाव अब एक्टिंग और प्रोडक्शन से भी आगे बढ़ गया है। मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग कर्नाटक में इस मेगा प्रोजेक्ट की रिलीज की कमान संभालने जा रहा है। यानी यश अब सिर्फ अपनी दमदार मौजूदगी से दर्शकों को दीवाना नहीं बनाएंगे, बल्कि अपनी कंपनी के जरिए इस महागाथा को कर्नाटक के दर्शकों तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। डिस्ट्रीब्यूशन विंग की शुरुआत के साथ मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने प्रोडक्शन से आगे बढ़ते हुए अपने बिजनेस का दायरा बढ़ाया है। भारतीय सिनेमा के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में शामिल 'रामायण' को बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में यह एक अहम कदम है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' भारतीय महाकाव्य की दो हिस्सों में पेश की जाने वाली भव्य सिनेमाई गाथा है। शानदार स्टारकास्ट और बड़े स्केल पर तैयार हो रही यह फिल्म सदियों पुरानी कहानी को नए सिनेमाई अंदाज में बड़े पर्दे पर जीवंत करने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज को देश और दुनिया के अलग-अलग बाजारों में पहुंचाने के लिए बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन की कमान सोनी पिक्चर्स संभालेगा, जबकि करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस उत्तर भारत में फिल्म को रिलीज करेगी। दिल राजू आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की जिम्मेदारी संभालेंगे, वहीं कर्नाटक में मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग मोर्चा संभालेगा।

साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'जॉन डो' में अर्जुन दास निभाएंगे 'चंद्रू' का किरदार

तमिल सिनेमा के उभरते सितारे अर्जुन दास निर्देशक मधुमिता की आगामी साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'जॉन डो' में 'चंद्रू' नाम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म निर्माताओं ने इसका खुलासा किया। अर्जुन दास ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म से जुड़ा अपना फर्स्ट लुक पोस्टर साझा करते हुए लिखा, ''नान पोधुमा? (क्या मैं पर्याप्त हूं?)' यह एक सवाल है जो चंद्रू को लगातार परेशान करता है। शायद यह वह सवाल है जो हम सभी ने कभी न कभी खुद से पूछा है। उसकी तलाश में कहीं न कहीं मुझे खुद का भी एक हिस्सा मिला। 'जॉन डो' की दुनिया के चंद्रू से मिलिए। यह फिल्म नवंबर में आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का लेखन और निर्देशन मधुमिता ने किया है। फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स ने किया है और इसे एजीएस सिनेमाज प्रस्तुत कर रही है। फिल्म में संचना नटराजन मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा श्रुष्टि, जारा विनीत चांधोके और निरव भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म को लेकर दर्शकों और सिनेप्रेमियों में कई कारणों से उत्सुकता बनी हुई है। सबसे खास बात यह है कि अर्जुन दास अपने करियर में पहली बार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स कर रही है, जिसने पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली' का भी निर्माण किया था। फिल्म को शोभू यारलागड्डा और प्रसाद देविनेनी प्रोड्यूस कर रहे हैं। किशोर केदारी और मधुमिता इसके सह निर्माता हैं, जबकि सौम्या शर्मा क्रिएटिव प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। फिल्म की तकनीकी टीम भी काफी मजबूत मानी जा रही है। इसका संगीत प्रसिद्ध संगीतकार मुजीब माजीद ने तैयार किया है, जबकि अतिरिक्त संगीत द आर्टिस्ट 404 ने दिया है। फिल्म की कहानी और पटकथा मधुमिता और निकोलस शेवेलियर ने मिलकर लिखी है। सिनेमैटोग्राफी प्रीथा जयरामन ने की है और संपादन विजय वेंकटरमणन ने संभाला है। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस दिनेश सुब्बारायन और एक्शन संतोष ने तैयार किए हैं। प्रिया करन और प्रिया हैरी ने कॉस्ट्यूम डिजाइन किए हैं, जबकि अश्विनी काले ने प्रोडक्शन डिजाइन का काम संभाला है। सूत्रों के अनुसार, फिल्म लगभग तैयार है और निर्माता इसे इस साल नवंबर में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

अभिषेक ने वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी को सराहा

बोले- 'भाग मिल्खा भाग' के डायलॉग को सही साबित करके दिखाया

नई दिल्ली। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बताया कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 से पहले नेट सेशन के दौरान बॉलीवुड फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' का एक मशहूर डायलॉग दोहराया था। इसके बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और भारत को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। सूर्यवंशी ने अभिषेक से कहा कि वह फिल्म के मशहूर डायलॉग - 'भैया, खेलूंगा भी वैसे ही' - से प्रेरित होकर बिल्कुल निडर होकर बल्लेबाजी करेंगे। 15 साल के वैभव ने अपनी बात को सच साबित करते हुए सिर्फ 19 गेंदों पर 45 रनों की आक्रामक पारी खेली। इससे अभिषेक को भी खुलकर खेलने का मौका मिला और उन्होंने 38 गेंदों पर शानदार 113 रन बनाए। भारत ने न्यूजीलैंड के 199 रनों के लक्ष्य को महज 13.2 ओवर में हासिल कर लिया और मंगलवार को हेनरी स्टेडियम में तीसरा टी20 6 विकेट से जीता। मैच के बाद बीसीसीआई द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में अभिषेक ने सूर्यवंशी के साथ हुई अपनी बातचीत को याद किया और इस युवा खिलाड़ी की आक्रामक सोच की तारीफ की। अभिषेक ने कहा, 'कल नेट्स में वैभव ने मुझसे कहा था कि वह 'भाग मिल्खा भाग' फिल्म के डायलॉग 'भैया, खेलूंगा भी वैसे ही' की तरह ही बल्लेबाजी करेंगे।' बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक ने यह भी बताया कि कैसे ओपनिंग ओवर में सूर्यवंशी के निडर रवैये ने दूसरे छोर पर खड़े बल्लेबाज का आत्मविश्वास बढ़ाया, खासकर तब जब वह न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज का सामना कर रहे थे। अभिषेक ने कहा, 'जब टीम 190-200 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा कर रही होती है और सामने विपक्ष का मुख्य तेज गेंदबाज गेंदबाजी कर रहा हो, तब ओपनर को आक्रामक खेल दिखाना पड़ता है। मैं दूसरे छोर पर था और मैंने वैभव को बल्लेबाजी करते देखा। इससे नॉन-स्ट्राइकर बल्लेबाज का जोश बढ़ जाता है। मैं खास तौर पर वैभव की तारीफ करना चाहूंगा। इस मुकाबले में उन्होंने जो प्रदर्शन किया, वह टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। इस जीत का काफी श्रेय उन्हें जाता है।' ओपनिंग जोड़ी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाई। पावरप्ले में भारत ने बिना कोई विकेट खोए 118 रन बनाए, जो पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल में पहले छह ओवरों में किसी भी टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। भारत ने सिर्फ 2.2 ओवर में ही 50 रन पूरे कर लिए, जो इस फॉर्मेट में सबसे तेज टीम फिफ्टी की बराबरी है। इसके बाद पांच ओवर में ही टीम 100 रन के पार पहुंच गई। अभिषेक ने टीम की निस्वार्थ सोच की भी तारीफ की।

मैदान पर गुंडागर्दी करना हारिस रऊफ पर पड़ा भारी!

- जीत के बाद सरेआम की थी बदतमीजी

लगा भारी जुर्माना

लटक रही है बैन की तलवार!

आईसीसी ने उनकी इस हरकत को खेल की गरिमा के खिलाफ मानते हुए आचार संहिता का उल्लंघन पाया और उनके खाते में 1 डिमेरिट पॉइंट जोड़ दिया। पिछले दो सालों में रऊफ की यह तीसरी हरकत है, जिससे उनके कुल डिमेरिट पॉइंट अब बढ़कर 5 हो चुके हैं। यानी अब उन पर बैन की तलवार भी लटक रही है।

नई दिल्ली। लाहौर के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ एक विकेट की रोमांचक जीत के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने जमकर जश्न मनाया। एक तरफ जहां टीम जश्न में डूबी थी, वहीं टीम के स्टार तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने अपनी घटिया हरकत से एक बार फिर सुर्खियां बटोरने का काम किया। मैदान पर खेल भावना की धज्जियां उड़ाने और अंपायर से उलझने के जुर्म में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने हारिस रऊफ को कड़ी फटकार लगाई है। इस हरकत के लिए आईसीसी ने रऊफ पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना ठोक दिया है। यह पूरा ड्रामा पाकिस्तानी पारी के 46वें ओवर के खत्म होने पर देखने को मिला। नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े हारिस रऊफ पहले तो अंपायर से वाइड गेंद मांगने लगे। फिर इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स से फालतू में बहसबाजी करने लगे। अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद के मना करने के बावजूद रऊफ का गुस्सा शांत नहीं हुआ। उन्होंने हवा में बल्ला उठाया, अंपायर को अनदेखा करके उनसे टकराते हुए निकले और इंग्लिश खिलाड़ी की तरफ बदतमीजी से बढ़ते रहे।

इंग्लैंड की ढिलाई पर भी कटा चालान

रऊफ की हरकत के अलावा इस मैच में स्लो ओवर रेट के लिए इंग्लैंड टीम पर भी गाज गिरी है। तय समय सीमा में 3 ओवर कम फेंकने की वजह से आईसीसी मैच रेफरी जेफ क्रो ने इंग्लिश कप्तान हैरी ब्रुक और पूरी टीम पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगा दिया. दोनों ही पक्षों ने अपनी-अपनी गलतियों और सजा को बिना किसी बहस के स्वीकार कर लिया है. मैच की बात करें तो शादाब खान के नाबाद शतक और हारिस रऊफ के साथ 10वें विकेट की 89 रनों की साझेदारी के दम पर पाकिस्तान ने यह मैच 1 विकेट से तो जीत लिया. इस जीत के साथ पाकिस्तान ने 31 अक्टूबर को श्रीलंका के खिलाफ होने वाले ट्राई-सीरीज के फाइनल में जगह भी बना ली.

सेस्टाओ से मिली हार के बाद एस्पेनयोल ने कोच मैनोलो गोंजालेज को हटाया

मैड्रिड। ला लीगा टीम एस्पेनयोल ने कोपा डेल रे में चौथे दर्जे की टीम सेस्टाओ रिवर से मिली 4-3 से चौंकाने वाली हार के बाद कोच मनोलो गोंजालेज को पद से हटा दिया है। इस हार ने एस्पेनयोल की मुश्किल बढ़ा दी है। क्लब ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा, 'आरसीडी एस्पेनयोल ने क्लब के कोच के तौर पर मनोलो गोंजालेज का कार्यकाल खत्म करने का फैसला किया है। 'अपने बयान में क्लब ने कहा, 'आरसीडी एस्पेनयोल मैनोलो गोंजालेज का शुक्रिया अदा करना चाहता है। उन्होंने टीम की कमान संभालने के बाद से पेशेवर रवैये, प्रतिबद्धता और समर्पण को प्रदर्शित किया।' 47 साल के गोंजालेज ने मार्च 2024 में रिजर्व साइड से प्रमोट होने के बाद एस्पेनयोल की कमान संभाली थी और उस सीजन के आखिर में क्लब को वापस ला लीगा में ले गए थे। हालांकि, पिछले सीजन के मुश्किल दूसरे हाफ के बाद उनकी पोजीशन पर उस समय सवाल उठने लगे, जब एस्पेनयोल 143 दिनों के बीच खेले गए 18 मैचों में कोई जीत हासिल नहीं कर सकी। इस सीजन में अपने शुरुआती पांच लीग मैचों में से दो जीतने के बावजूद, एस्पेनयोल तब से पांच गेम बिना जीत के खेल चुका है, जिससे गोंजालेज पर दबाव बढ़ गया है। मंगलवार को स्पेनिश मीडिया ने उनकी नौकरी को खतरे में बताया था, जो सच साबित हुई। एस्पेनयोल ने कहा कि गोंजालेज पहली टीम की कमान संभालने के बाद तीन से ज्यादा सीजन और 107 कॉम्पिटिटिव मैचों के बाद जा रहे हैं।

गौतम गंभीर का विजन

आज के खिलाड़ियों को कल के मैच-विनर बनाना

नई दिल्ली। हर क्रिकेट टीम को अंततः एक सवाल का सामना करना पड़ता है। क्या होता है जब उसका सबसे बड़ा खिलाड़ी अनुपलब्ध हो? क्या होता है जब कोई स्टार खिलाड़ी फॉर्म खो देता है, कोई बल्लेबाज सस्ते में आउट हो जाता है, या किसी महत्वपूर्ण मैच में कोई गेंदबाज बेहद खराब प्रदर्शन करता है? वर्षों से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों ने मुट्ठी भर खिलाड़ियों पर टिकी अपनी उम्मीदों को टूटते देखा है। जब कोई सितारा खिलाड़ी नाकाम होता था, तो लाखों लोगों का दिल टूट जाता था। जब कोई अहम विकेट गिरता था, तो दबाव और बढ़ जाता था। और जब भारत हार जाता था, तो पूरा देश जवाब तलाशने लगता था। लेकिन गौतम गंभीर का टी20 क्रिकेट के लिए दृष्टिकोण एक अलग विचार पर आधारित है: भारत को एक ऐसी टीम बनना होगा जो असफलता से न डरे, पूरी तरह से व्यक्तिगत नायकों पर निर्भर न हो, और जब कोई खिलाड़ी आउट हो जाए तो विश्वास करना न छोड़े। टी20 क्रिकेट के प्रति उनके दृष्टिकोण में व्यक्तिगत उपलब्धियों के बजाय सुनियोजित आक्रामकता, लचीली बल्लेबाजी व्यवस्था और प्रभाव डालने पर जोर दिया गया। तिलक बल्लेबाजी में लचीलापन और मैच की विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता रखते हैं।

व्यक्तिगत जिम्मेदारी से सामूहिक जिम्मेदारी की ओर

लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट की कहानी अक्सर इसके सबसे बड़े सितारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। प्रशंसक किसी खास बल्लेबाज से पारी को संभालने की उम्मीद रखते थे या किसी खास गेंदबाज से निर्णायक विकेट लेने की। ऐसे खिलाड़ी आज भी अमूल्य हैं, लेकिन आधुनिक टी20 क्रिकेट में व्यक्तिगत प्रतिभा से कहीं अधिक की आवश्यकता है। इसके लिए एक ऐसी टीम की आवश्यकता होती है जिसमें छठा बल्लेबाज योगदान दे सके, निचले क्रम के बल्लेबाज मैच का रुख बदल सकें, एक ऑलराउंडर रणनीतिक लचीलापन प्रदान कर सके और अनुपस्थित स्टार खिलाड़ी के स्थान पर खेलने वाला खिलाड़ी एक स्पष्ट रूप से परिभाषित भूमिका निभा सके। तिलक वर्मा, नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे खिलाड़ियों का विकल्प के रूप में उपलब्ध होना कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

हार्दिक पांड्या का विकल्प खोजना

हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी की अनुपलब्धता में किसी भी टीम प्रबंधन के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक सही संयोजन खोजना होता है। हार्दिक टी20 क्रिकेट में एक दुर्लभ खिलाड़ी हैं जो विस्फोटक बल्लेबाजी, फिनिशिंग क्षमता और तेज गेंदबाजी से टीम में योगदान दे सकते हैं। उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को चुनना और उनसे समान परिणाम की उम्मीद करना मात्र नहीं है। इसके लिए सोचने का एक अलग तरीका चाहिए। हार्दिक की तरह ही टीम के लिए सब कुछ करने वाले एक ही खिलाड़ी की तलाश करने के बजाय, भारत इन जिम्मेदारियों को कई खिलाड़ियों में बांट सकता है। एक बल्लेबाज स्थिरता प्रदान कर सकता है, दूसरा मध्य क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सकता है, जबकि एक ऑलराउंडर बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे सकता है। यहीं पर तिलक वर्मा, नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे खिलाड़ी चर्चा में महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

निहाल विहार में चाकू घोंपकर युवक की हत्या, एक आरोपित गिरफ्तार और बाकी फरार

नई दिल्ली, एजेंसी। निहाल विहार इलाके में चाकू घोंपे जाने से घायल 34 वर्षीय संदीप की महाराजा अग्रसेन अस्पताल में उपचार के दौरान

मृत्यु हो गई। शव के पोस्टमार्टम के लिए परिजन संजय गांधी अस्पताल पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने मामले में सिर्फ एक आरोपित को पकड़ा है, जबकि अन्य आरोपित अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। इसको लेकर परिजनों में भारी नाराजगी है। वे मामले में शामिल सभी आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

हत्या, लूट और रंगदारी में शामिल भोला गैंग पर कसा शिकंजा

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने भोला भाई गैंग से जुड़े मकोका के मामले में

सुजल उर्फ ढेला (21) को गिरफ्तार किया है। वह भलस्वा डेरी का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपित पर अवैध शराब कारोबारियों, पार्किंग संचालकों और जुआ खेलने वालों से जबरन वसूली करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार थाना जहांगीरपुरी में सात मार्च 2026 को मकोका की धारा 3/4 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। मामले में गैंग सरगना मुकेश उर्फ भोला को 18 अगस्त और विपिन को 28 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। गंभीर आपराधिक गतिविधियों शामिल रहा गिरोह गिरोह हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, अपहरण, जबरन वसूली और गोलीबारी जैसी गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। मुकेश के खिलाफ पहले से 17 और विपिन के खिलाफ दो आपराधिक मामले दर्ज हैं।

दिवाली-छठ को लेकर उत्तर रेलवे ने चलाईं अनरिजर्व्ड स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारों के इस सीजन में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ व उनकी सुगम व सुविधाजनक यात्रा को सुनिश्चित करने के लिए उत्तर रेलवे ने विशेष कदम उठाया है. रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दो जोड़ी (कुल चार) अनरिजर्व्ड फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है. इस विशेष सेवा की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इन ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को किसी भी प्रकार का आरक्षित (रिजर्वेशन) टिकट लेने की कोई आवश्यकता नहीं होगी. यात्री सामान्य दिनों की तरह साधारण यानी जनरल टिकट लेकर ही इन ट्रेनों में आसानी से यात्रा कर सकेंगे. इससे टिकट बुकिंग की लंबी वेटिंग से राहत मिलेगी और अंतिम समय में सफर करने वालों को बड़ी सहूलियत होगी. उत्तर प्रदेश के प्रमुख ऐतिहासिक शहर वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी के बीच चलाई जा रही है. ट्रेन का संचालन (फेरे): हजरत निजामुद्दीन से यह गाड़ी (04412) 05.11.2026, 06.11.2026 व 07.11.2026 को कुल 3 फेरे लेगी. वहीं, वापसी दिशा में वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से यह ट्रेन (04411) 06.11.2026, 07.11.2026 और 08.11.2026 को कुल 3 फेरे संचालित होगी. मुख्य ठहराव और रूट: यह ट्रेन अपने सफर के दौरान फरीदाबाद, पलवल, रुंधी, होडल, कोसीकलां, छाता, मथुरा जंक्शन, फराह, राजा की मंडी, आगरा कैंट, जाजमऊ, धौलपुर, मोरेना, ग्वालियर जंक्शन, डबरा, सोनगीर व दतिया जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों से होकर गुजरेगी. इन इलाकों के दैनिक यात्रियों और त्योहार पर घर जाने वाले लोगों को इस ट्रेन के संचालन से जबरदस्त राहत मिलने वाली है.

करोड़ों का डबल डेकर फ्लाईओवर भी बेअसर

दिल्ली के भजनपुरा में अतिक्रमण से यात्री परेशान, जाम से नहीं मिली राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। करोड़ों रुपये खर्च करके बनाया जा रहा दिल्ली का पहला डबल डेकर फ्लाईओवर ने जाम से निजात की उम्मीद तो जगाई है, लेकिन अतिक्रमण इस उम्मीद को धुंधला कर रहा है।

भजनपुरा में फ्लाईओवर के ठीक आगे मेट्रो स्टेशन और उसके आसपास के बाजार में अतिक्रमण के कारण संकरी सड़क फ्लाईओवर पर खर्च करोड़ों की राशि को बर्बाद कर सकती है। आलम यह है कि निर्माण की बेरिकेडिंग के बावजूद यहां अतिक्रमण नहीं हटाया जा रहा, जिससे रोजाना सैकड़ों लोगों को जाम से जूझना पड़ता है।

गाजियाबाद से भोपुरा के रास्ते वजीराबाद व दिल्ली के अन्य स्थानों तक रोजाना करीब पचास हजार वाहन वजीराबाद रोड से सफर करते हैं। पूरी सड़क पर फ्लाईओवर बनाकर इसे सिग्नल फ्री कर दिया गया है, बस भजनपुरा एकमात्र जाम प्वाइंट बना है। ऐसे में इसे जाममुक्त करने के लिए गोकलपुरी से भजनपुरा तक बन रहे इस फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है जो अंतिम चरण में है। परियोजना की खासियत यह है कि एक ही ढांचे के ऊपरी हिस्से में मेट्रो दौड़ रही है, जबकि निचले हिस्से में चार व दो पहिया वाहन दौड़ेंगे। उम्मीद थी कि इस फ्लाईओवर के निर्माण के बाद यमुनापार का सबसे बड़े जाम प्वाइंट से जाम खत्म हो जाएगा लेकिन अब हालात कुछ और इशारा कर रहे हैं। भजनपुरा में जहां यह फ्लाईओवर उतर रहा है उसके तुरंत बाद अतिक्रमण बड़ी बाधा है।

मेट्रो स्टेशन पर बन रहा बाटलनेक, अतिक्रमण से परेशानी

दरअसल, फ्लाईओवर खत्म होते ही सौ मीटर दूरी पर भजनपुरा मेट्रो स्टेशन है, जहां बाटलनेक बनता है। इसके साथ ही यहां ठेली-पटरी वालों के साथ दुकानदारों ने भी सड़क और फुटपाथ के हिस्से पर कब्जा कर रखा है। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और जाम लगता है। निर्माण कार्य के दौरान भी इस मार्ग पर जाम की स्थिति रहती है। स्थानीय लोगों की शिकायत है कि अतिक्रमण की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन इसे हटाने के लिए नियमित और प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आती। अतिक्रमण हटाने, फुटपाथ खाली कराने और वाहनों के व्यवस्थित आवागमन की योजना के बाद ही डबल डेकर फ्लाईओवर का लाभ मिल सकेगा।

'दिल्ली लिकर बुकिंग' ऐप शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शराब की दुकानों पर लंबी कतारों से राहत देने के लिए दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने 'दिल्ली लिकर बुकिंग' ऐप शुरू की है। इस ऐप के जरिए आप अपना पसंदीदा ब्रांड पहले से बुक करके, ऑनलाइन भुगतान करके और क्यूआर कोड दिखाकर डीएसआईआईडीसी स्टोर से सीधे ऑर्डर ले सकते हैं। त्योहारों और वीकेंड पर शराब की दुकानों के बाहर लगने वाली लंबी लाइनों और भीड़ को नियंत्रित करना। दुकान पर ब्रांड ढूंढने और बिलिंग की कतार में खड़े होने की झंझट खत्म करना। घर बैठे अपना ब्रांड, बोतल का साइज और नजदीकी स्टोर चुनने की सुविधा देना। एप डाउनलोड करें: अपने मोबाइल

में 'दिल्ली लिकर बुकिंग' ऐप इंस्टॉल करें। उपलब्ध विकल्पों में से अपना पसंदीदा ब्रांड, बोतल का साइज़ और मात्रा चुनें। नजदीकी डीएसआईआईडीसी स्टोर चुनें: वह स्टोर चुनें जहां से आप ऑर्डर उठाना चाहते हैं। एप के जरिए शराब की कीमत का डिजिटल पेमेंट पूरा करें। भुगतान सफल होते ही ऐप में एक क्यूआर कोड जेनरेट होगा। चुने हुए स्टोर के काउंटर पर क्यूआर कोड स्कैन कराएं और अपना ऑर्डर प्राप्त करें। दिल्ली लिकर बुकिंग एप के इस्तेमाल में इन बातों का ध्यान रखें... यह सिर्फ एडवांस बुकिंग और पेमेंट की सुविधा है। ऑर्डर लेने के लिए आपको खुद स्टोर जाना होगा।

48 घंटे में पिकअप जरूरी: बुकिंग और भुगतान के बाद 48 घंटे के भीतर संबंधित स्टोर से शराब उठाना अनिवार्य है।

न्यूनतम उम्र 25 वर्ष: शराब खरीदने के लिए ग्राहक की आयु कम से कम 25 साल होनी चाहिए।

प्रदूषण से जंग में 12 हजार करोड़ से भी ज्यादा खर्च, फिर भी जहरीली हवा में सांस ले रहे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के विभिन्न शहरों को स्वच्छ हवा देने के लिए सरकार की ओर से 12 हजार करोड़ से भी ज्यादा रूपये खर्च किए जा चुके हैं। लेकिन, अफसोस की बात है कि अब तक धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। इतना भारी भरकम पैसा खर्च किए जाने के बावजूद भी लोग दमघोंटू हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि आखिर इसका जिम्मेदार कौन है? प्राप्त जानकारी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-2026 में केंद्र सरकार के राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत शामिल 130 शहरों में से 117 शहरों में पीएम 10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय मानक से अधिक रहा। सिर्फ 13 शहर ही इसकी सीमा तक पहुंच पाए थे। वहीं, अगर देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें, तो यहां भी हालात जस के तस बने हुए

हैं। यहां भी स्थिति सुधरने का नाम हीं ले रही है। लोग जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं। 2016 से 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में पीएम 10 और पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर किसी भी साल राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नहीं रहा। 2025 में पीएम 10 का स्तर 197.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जो राष्ट्रीय मानक 60 से 3.3 गुना अधिक है। कुल मिलाकर, ये आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं कि दिल्ली में स्थिति किसी भी सूरत में सुधरने का नाम नहीं ले रही है। दुर्भाग्य की बात यह है कि दिल्ली को प्रदूषण रहित बनाने की दिशा में अनेक तरह के लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। लेकिन, उस लक्ष्य को प्राप्त करने में हम बहुत दूर हैं।

हेरोइन सप्लाई करने दिल्ली आया छात्र अरेस्ट

द्वारका पुलिस ने पकड़ा; विदेशियों से था तगड़ा कनेक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी। हरियाणा से दिल्ली आकर हेरोइन की खेप लेने और उसे वापस ले जाने के आरोप में द्वारका जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है।

आरोपित के पास से 101 ग्राम हेरोइन और दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पूछताछ में आरोपित ने जनकपुरी में एक विदेशी नागरिक से हेरोइन लेने की बात बताई है। पुलिस इस कथित अंतरराज्यीय ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है।

एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने की कार्रवाई: द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह के निर्देश पर नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने 24 अक्टूबर को यह कार्रवाई की।

पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग दिल्ली से मादक पदार्थ लेकर दिल्ली-एनसीआर के आसपास के इलाकों में आपूर्ति कर रहे हैं। इसके बाद इंस्पेक्टर सतीश कुमार के नेतृत्व में टीम ने द्वारका सेक्टर-1 स्थित हरसुख अपार्टमेंट के पास जाल बिछाया और रोहित को पकड़ लिया।

विदेशी नागरिक से ली थी हेरोइन की खेप: पुलिस के मुताबिक, गुरुग्राम जिले के पटौदी क्षेत्र के ऊंचा माजरा गांव का रहने वाला रोहित हरियाणा से दिल्ली आया था। पूछताछ में उसने बताया कि उसने जनकपुरी इलाके में एक विदेशी नागरिक से हेरोइन की खेप ली थी। उसने यह भी दावा किया कि उसे यह खेप जयविंदर के निर्देश पर मिली थी। जयविंदर के विदेशी नागरिक के संपर्क में होने की बात भी सामने आई है। पुलिस इन जानकारियों की पुष्टि करने में जुटी है।

24 अक्टूबर को दर्ज हुई प्राथमिकी : इस मामले में द्वारका साउथ थाने में 24 अक्टूबर को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपित को दो दिन की पुलिस हिरासत में लिया है। जांच में बरामद हेरोइन के स्रोत, उसकी आपूर्ति कहां की जानी थी और नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाया जा रहा है। संबंधित इलाकों की सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस के अनुसार, रोहित की उम्र 22 वर्ष है और वह हरियाणा के सिद्धरावली कालेज से बीकाम अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार, उसका पहले कोई आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है।

परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के बाद क्या हुआ, संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी बोली- मरम्मत के सबूत नहीं मिले

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहस तेज हो गई है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रोसी ने मंगलवार को कहा कि अब तक ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि ईरान ने अमेरिकी और इस्राइली हमलों में क्षतिग्रस्त हुए अपने परमाणु ठिकानों की मरम्मत या उन्हें दोबारा बनाने की कोशिश की हो। हालांकि, एजेंसी अब भी ईरान के परमाणु भंडार की पूरी जानकारी हासिल नहीं कर पाई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में ग्रोसी ने कहा कि जून 2025 के बाद से ऐसी कोई गतिविधि नजर नहीं आई, जिससे पता चले कि 2025 और 2026 के सैन्य हमलों में क्षतिग्रस्त परमाणु ठिकानों को दोबारा तैयार किया जा रहा है। उन्होंने ईरान से अपील की कि वह अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के निरीक्षकों को सभी परमाणु ठिकानों पर जाने की अनुमति दे। इसमें वे स्थान भी शामिल हैं, जिन्हें सैन्य हमलों में नुकसान पहुंचा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का कहना है कि ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू करने की एक बड़ी वजह उसे परमाणु हथियार बनाने से रोकना है। उन्होंने यह भी दावा किया था कि जून 2025 में ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी

हमलों ने उसके परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म कर दिया। हालांकि, इन ठिकानों की मौजूदा स्थिति और ईरान के परमाणु भंडार की जानकारी हासिल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण अब भी अहम माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक, ईरान के पास 60 फीसदी तक संवर्धित यूरेनियम का 440.9 किलोग्राम भंडार था। यूरेनियम को करीब 90 फीसदी तक संवर्धित करने पर उसे परमाणु हथियार बनाने के स्तर का माना जाता है। हालांकि, 60 फीसदी संवर्धन का मतलब यह नहीं है कि ईरान ने परमाणु हथियार बना लिया है। एजेंसी की चिंता यह है कि निरीक्षण की कमी के कारण वह यह पता नहीं लगा पा रही कि ईरान के पास अब कितना यूरेनियम बचा है और उसका इस्तेमाल किस तरह हो रहा है। सुरक्षा परिषद की बैठक कई देशों की मांग पर बुलाई गई थी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने परमाणु अप्रसार से जुड़ी जिम्मेदारियों का पालन न करने के मामले में ईरान को सुरक्षा परिषद के पास भेजा था। रूस और चीन ने बैठक रोकने की कोशिश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। परमाणु अप्रसार संधि के तहत ईरान को अपनी परमाणु गतिविधियों की जानकारी देनी होती है और निरीक्षकों को जांच की अनुमति देनी पड़ती है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के उप-राजदूत गुलामहोसैन दर्जी ने अमेरिका और इस्राइल के हमलों की निंदा की। उन्होंने इसे ईरान के खिलाफ आक्रामक युद्ध बताते हुए अमेरिका पर युद्ध अपराध करने का आरोप लगाया। उन्होंने इस्राइल के परमाणु हथियारों का मुद्दा भी उठाया। हालांकि, इस्राइल ने कभी आधिकारिक तौर पर यह स्वीकार नहीं किया है कि उसके पास परमाणु हथियार हैं।

यूएई में कैप्टन स्मित सम्मानित: दुबई के राष्ट्रपति ने गले लगाकर किया सलाम

अमीरात, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात ने फ्लाईदुबई के कैप्टन स्मित मच्छार और फ्लाइट 1073 के क्रू को उनके साहस और यात्रियों की जान बचाने के लिए सम्मानित किया है। के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने उन्हें 'फर्स्ट-क्लास ऑर्डर ऑफ जायद से नवाजा। मंगलवार को राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद ने क्रू सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद रहे। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने क्रू को यह सम्मान प्रदान किया। यूएई के नेतृत्व ने मुश्किल हालात में यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने और अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए सभी की सराहना की।

उड़ान के दौरान कॉकपिट में हुआ हमला

यह घटना 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट

1073 में हुई थी। उड़ान के दौरान कॉकपिट में गंभीर घटना हुई, जिसके बाद विमान को सऊदी अरब के तबुक की ओर मोड़ना पड़ा। इस दौरान कैप्टन स्मित मच्छार घायल हो गए। हालात इतने खराब हो गए थे कि विमान की सुरक्षा पर खतरा मंडराने लगा था। कैप्टन मच्छार ने यूएई के अखबार 'द नेशनल' को दिए इंटरव्यू में बताया कि कॉकपिट का दरवाजा खोलने से पहले ही को-पायलट ने उन पर कई बार हमला कर दिया था। शुरुआत में

विमान में बचाई थी 180 लोगों की जान

उन्हें लगा कि विमान का कोई हिस्सा टूटकर उनके सिर पर गिरा है। लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि हमला उनकी ही टीम के एक सदस्य ने किया है। उन्होंने बताया कि लगातार हमलों के कारण उनकी नजर कमजोर पड़ने लगी थी। उन्हें चीजें साफ दिखाई नहीं दे रही थीं और वह सिर्फ धुंधली आकृतियां देख पा रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने खुद को सीट बेल्ट से छुड़ाया और हमलों से बचने की कोशिश की।

कैप्टन मच्छार ने बताया कि हमले के बीच उन्होंने कॉकपिट का दरवाजा खोलने वाले हैंडल तक पहुंचने की कोशिश की और अपने साथियों को आवाज दी। इसी दौरान वह बेहोश होकर कॉकपिट में गिर पड़े। उनकी हालत गंभीर थी, लेकिन कॉकपिट तक पहुंचने और दरवाजा खोलने की उनकी कोशिश आगे की कार्रवाई में अहम साबित हुई।

17 हजार फीट नीचे गिरा विमान, इंजन बंद होने से बढ़ा खतरा

कैप्टन मच्छार के मुताबिक, घटना के दौरान विमान करीब 17,000 फीट नीचे गिर गया था। उस वक्त सबसे डरावना पल वह था, जब उन्होंने विमान के इंजन बंद होने की आवाज सुनी और उसे महसूस किया। ऐसे हालात में विमान को सुरक्षित संभालना बेहद मुश्किल था। फिर भी क्रू ने हिम्मत नहीं छोड़ी और स्थिति को काबू में करने की कोशिश जारी रखी। कैप्टन मच्छार कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे, जिसके बाद दूसरे क्रू सदस्यों और यात्रियों ने अंदर पहुंचकर को-पायलट को काबू कर लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, को-पायलट ने कैप्टन पर कुल्हाड़ी से हमला किया था और विमान को गिराने की कोशिश की थी। इसके बाद विमान के अपहरण से जुड़ा आपातकालीन संकेत भेजा गया और फ्लाइट को सऊदी अरब के तबुक में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इस घटना के बाद विमान को सुरक्षित तबुक में उतार लिया गया। विमान में सवार यात्रियों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रिपोर्ट में कुल 180 लोगों के सुरक्षित बचने की बात कही गई है। इस घटना ने एक बार फिर दिखाया कि संकट के समय विमान के क्रू की सूझबूझ और हिम्मत कितनी अहम होती है। इतनी खतरनाक घटना से गुजरने के बाद भी कैप्टन मच्छार का विमानन के प्रति भरोसा कम नहीं हुआ।

पुस्तक का लोकार्पण — 'संघ से राष्ट्रबोधः शताब्दी यात्रा के विभिन्न पड़ाव' पुस्तक का लोकार्पण समारोह

नई शिक्षा नीति हमारी संस्कृति और बौद्धिक क्षमता बढ़ाने वालीःराज्यपाल

राष्ट्र केवल भूभाग नहीं है, यह जीवन की सांस्कृतिक दृष्टि -विधानसभा अध्यक्ष

जयपुर(नि.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि नई शिक्षा नीति भारत की संस्कृति और परम्पराओं से जुड़ी है। इसके जरिए ही भारत के वास्तविक इतिहास से नई पीढ़ी को जानकारी मिल रही है। उन्होंने विनोबा भावे की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने कहा था कि आजादी के बाद सबसे पहले देश की शिक्षा पद्धति बदली जानी चाहिए थी। यह काम हुआ नहीं, पर नई शिक्षा नीति से इस दिशा में ऐतिहासिक पहल हुई है। यह हमारी संस्कृति और बौद्धिक क्षमता बढ़ाने वाली है।

बागडे पाथेय भवन में संघ से राष्ट्रबोधः शताब्दी यात्रा के विभिन्न पड़ाव पुस्तक लोकार्पण समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संघ देश के श्रेष्ठ नागरिक बनाने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि बाल और किशोर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की आत्मा है। जो एक बार इससे जुड़ जाता है वह सदा राष्ट्र के लिए समर्पित होकर कार्य करता है। उन्होंने कहा कि देश का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां के विकास के लिए संघ के

कार्यकर्ता काम नहीं करते। संघ की 1925 में स्थापना के बाद नैतिकता, ईमानदारी और राष्ट्र के लिए किए कार्यों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि संघ जीवन से जुड़ी उदात्त दृष्टि देने वाला संगठन है। बागडे ने कहा कि देश की आजादी के बाद 26 जनवरी को पंडित नेहरू के आग्रह पर आरएसएस के स्वयंसेवकों ने राजपथ पर पूरे अनुशासन के साथ मार्च किया था। उन्होंने संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने पर उसके किए महत्वपूर्ण कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि इस संगठन के लोगों की तपस्या से राष्ट्र विकास की पथ पर आगे बढ़ा है। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि राष्ट्र केवल भूभाग नहीं है। यह जीवन की सांस्कृतिक दृष्टि है। उन्होंने कहा कि संघ के सौ वर्षों की यात्रा के दौरान संगठित चरित्रवान लोग निरंतर तैयार हुए हैं। देवनानी ने कहा कि संघ जन निर्माण का कार्य करते हुए राष्ट्र प्रथम की सोच से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवक संगठन कोई है तो वह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ है। उन्होंने संघ द्वारा सेवा बस्तियों द्वारा और सामाजिक समरसता के लिए किए कार्यों की महत्वपूर्ण बताते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव वाद से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

डॉ. नीरज के. पवन ने दीप प्रज्वलित कर किया राजीविका दिवाली मेले का शुभारंभ

आमजन मेले में हस्तनिर्मित सजावटी सामग्री एवं पारंपरिक व्यंजनों का लुफ्त उठाएं

जयपुर(नि.सं.)। इन्दिरा गाँधी पंचायती राज संस्थान के महानिदेशक डॉ. नीरज के. पवन ने इन्दिरा गाँधी पंचायती राज संस्थान के परिसर में दीप प्रज्वलित कर राजीविका दिवाली मेले का शुभारंभ किया। यह मेला 28 अक्टूबर से 4 नवम्बर 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित होगा। इस अवसर पर उन्होंने राजीविका के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लगाई गई स्टॉलों का अवलोकन किया तथा उनके द्वारा निर्मित हस्तशिल्प उत्पादों की

जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं के हुनर एवं रचनात्मकता की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया और शुभकामनाएं दीं। डॉ. पवन ने कहा कि राजीविका द्वारा आयोजित यह दिवाली मेला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन के साथ रोजगार और आजीविका के बेहतर अवसर देगा। ऐसे आयोजनों से महिलाओं के कौशल को पहचान मिलने के साथ ही उन्हें अपने उत्पादों के लिए व्यापक बाजार भी मिलता है। उन्होंने जयपुरवासियों से आह्वान किया कि वे मेले में पहुंचकर एसएचजी की महिलाओं का उत्साहवर्धन करें तथा उनके द्वारा 100 से अधिक लगी स्टॉलों पर हस्तनिर्मित उत्पादों की खरीदारी कर प्रोत्साहित करें। मेले में टेराकोटा, लकड़ी के उत्पाद, कशीदाकारी एवं विभिन्न हस्तशिल्प वस्तुओं के साथ ही विविध खाद्य सामग्री उपलब्ध है।

न्यूज इन बॉक्स

जयपुर में '15 इंडियाज सिग्नेचर्स' समारोह

विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमियों और उद्योगपतियों की उपलब्धियों को मिला मंच

शुभ वेडिंग्स मैगजीन की पहल पर होटल हिल्टन जयपुर में हुआ आयोजन, सफलता की प्रेरक कहानियों और भविष्य की संभावनाओं पर हुई चर्चा

जयपुर(नि.सं.)। सफलता केवल मंजिल हासिल करने का नाम नहीं, बल्कि संघर्ष, निरंतर प्रयास, दूरदर्शिता और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का सफर भी है। इसी सोच को केंद्र में रखते हुए जयपुर में 'दिवाली सेलिब्रेशन विद 15 इंडियाज सिग्नेचर्स' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुभ वेडिंग्स मैगजीन की ओर से राजन कायस्थ और आरती निर्वाण ने बताया कि आयोजित इस विशेष समारोह में विभिन्न उद्योगों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले 15 प्रमुख उद्यमियों, उद्योगपतियों और नेतृत्वकर्ताओं की उपलब्धियों को मंच प्रदान किया गया। जयपुर के बाईस गोदाम स्थित होटल हिल्टन जयपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में दीपावली के उत्सवी माहौल के बीच सफलता की प्रेरक कहानियों, अनुभवों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

आईआईएफएल फाउंडेशन ने यातायात पुलिस को दिए 10 आधुनिक बैरिकेड्स

एलईडी डिस्प्ले से मिलेगा सड़क सुरक्षा का संदेश

जयपुर(नि.सं.)। सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए आईआईएफएल फाउंडेशन ने उदयपुर यातायात पुलिस को 10 आधुनिक सोलर बैरिकेड्स उपलब्ध कराए हैं। जयपुर के बाद उदयपुर राजस्थान का दूसरा शहर है, जहां फाउंडेशन ने यातायात पुलिस को सौर ऊर्जा से संचालित बैरिकेड्स दिए हैं। इस अवसर पर फाउंडेशन की निदेशक, मधु जैन, पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि तुषार भार्गव और उमंग भार्गव की कंपनी पैन इंडिया मीडिया सलूशन इन बेरिकैड के निर्मिता है। इन बैरिकेड्स में एलईडी डिस्प्ले, फ्लैश लाइट्स, रिफ्लेक्टिव सेफ्टी फीचर्स और चार्जिंग पोर्ट जैसी सुविधाएं हैं। सोलर ऊर्जा से संचालित होने वाले ये बैरिकेड्स रात के समय वाहनों को दूर से दिखाई देंगे, जिससे यातायात नियंत्रण और सड़क सुरक्षा में मदद मिलेगी।

आरयूएचएस में एमबीबीएस बैच 2026 की 'व्हाइट कोट एवं कैडेवरिक ओथ सेरेमनी' आयोजित

सफेद कोट केवल परिधान नहीं, रोगी के विश्वास, आशा और समर्पण का प्रतीक : मुख्य सचिव

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) में बुधवार को एमबीबीएस बैच 2026 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 'व्हाइट कोट एवं कैडेवरिक ओथ सेरेमनी' का गरिमामय आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने कहा कि सभी व्यवसायों में चिकित्सा का पेशा सबसे अनूठा और सर्वोच्च है, जो उच्च स्तर की प्रतिबद्धता, सेवा के प्रति असीम जुनून और समर्पण की मांग करता है।

सफेद कोट में रोगी को दिखती है जीवन की आशा- श्री श्रीनिवास ने विद्यार्थियों को

बधाई देते हुए कहा कि सफेद कोट केवल एक परिधान नहीं है। अस्पताल आने वाले हजारों मरीजों को इस कोट में जीवन बचाने की अंतिम उम्मीद, विशेषज्ञता और पीड़ा से मुक्ति दिखाई देती है।

यह सफेद रंग इरादों की पवित्रता, नैदानिक सटीकता और पूर्ण पारदर्शिता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कोट धारण करते ही चिकित्सक अपने व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों और समस्याओं को पीछे छोड़कर रोगी के कल्याण को ही सर्वोच्च प्राथमिकता बना लेते हैं। उन्होंने वरिष्ठ एवं कनिष्ठ रेजिडेंट चिकित्सकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि चिकित्सक लगातार 48 से 72 घंटे तक बिना घर गए अस्पतालों में सेवाएं देते हैं, जो इस पेशे के प्रति उनके अद्वितीय जुनून को दर्शाता है।

डिजिटल युग में भी मानवीय संवेदना सर्वोपरि- मुख्य सचिव ने 'चरक शपथ' का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय चिकित्सा पद्धति में सदैव सहानुभूति और निस्वार्थ सेवा पर बल दिया गया है।

पीएम मोदी 30-31 अक्टूबर को गुजरात दौरे पर

बनासकांठा में 14,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की देंगे सौगात

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 और 31 अक्टूबर को गुजरात के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह बनासकांठा में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 24वीं किस्त के तहत 19,000 करोड़ रुपये जारी करेंगे और दो ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, 30 अक्टूबर को सुबह करीब 9~30 बजे प्रधानमंत्री बनासकांठा में एम्ब्रियो ट्रांसफर टेक्नोलॉजी-इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (ईटी-आईवीएफ) प्रयोगशाला और भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर (बीबीबीआरसी) के पशु फार्म का दौरा करेंगे। इसके बाद सुबह करीब 10~30 बजे वह विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण करेंगे। इस अवसर पर वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री बनासकांठा के भिलड़ी में स्थापित भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। 127 एकड़ में फैला यह केंद्र अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया गया है।

10 हजार रुपए सैलरी, अकाउंट में आए 1 लाख करोड़

सीकर में मेडिकल स्टोर में काम करता है, बैंक ने खाता किया ब्लॉक

सीकर (वि.सं.)। सीकर में मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले समीर खान के बैंक अकाउंट में एक लाख करोड़ जमा हुए हैं। उसने बताया कि उसकी सैलरी मात्र 10 हजार रुपए है, इतनी बड़ा अमाउंट ट्रांसफर होने से वो हैरान है। बुधवार को कोटक महिंद्रा बैंक की एप से रिचार्ज करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पैसे ही ट्रांसफर नहीं हो रहे थे। स्टेटमेंट चेक किया तो बैंक बैलेंस जीरो दिखा। पता चला कि उसके अकाउंट में 1 लाख करोड़ ब्लॉक किए गए हैं। अब वो अपने 55 हजार रुपए भी नहीं निकाल पा रहा है। उसका बैंक बैलेंस जीरो शो हो रहा है।

नवनिर्वाचित सरपंचों को दी बधाई

झोटवाड़ा में सरपंचों और कार्यकर्ताओं से मिले कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने झोटवाड़ा में सरपंचों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर जनहित से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इस दौरान नवनिर्वाचित सरपंचों से भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सरपंचों ने इसके लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गांवों का विकास, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और आमजन के जीवन स्तर में सुधार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। ग्रामीण विकास को गति देने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनहित से जुड़े कार्यों में जवाबदेही, तत्परता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने पर जोर दिया, ताकि नागरिकों को समय पर राहत मिल सके। इसके अतिरिक्त, कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने जयपुर के विभिन्न व्यापार मंडलों के प्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं और आवश्यकताओं पर चर्चा की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, शिकायतों पर समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए नागरिकों को राहत प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने जनहित से जुड़े कार्यों में जवाबदेही, तत्परता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने पर जोर दिया, ताकि आमजन की समस्याओं का समय पर समाधान हो और उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने स्पष्ट किया कि गांवों का सर्वांगीण विकास, जनसमस्याओं का त्वरित समाधान और अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अजमेर जेल के मुख्य-प्रहरी के पास मिली 294 संदिग्ध टैबलेट्स

जेब से दो पार्सल में मिलीं गोलियां; जेल प्रशासन ने ड्यूटी से हटाया

अजमेर(वि.सं.)। अजमेर सेंट्रल जेल में मुख्य जेल प्रहरी के पास 294 संदिग्ध गोलियां मिली हैं। मुखबिर से सूचना मिलने के बाद जेल प्रशासन ने मुख्य जेल प्रहरी करतार चौधरी (35) के जेल परिसर स्थित सरकारी क्वार्टर पर 28 अक्टूबर को तलाशी ली थी। इस दौरान उसकी जेब से दो पार्सल में 294 सफेद गोलियां मिलीं। मामले में जेल प्रशासन की रिपोर्ट पर सिविल लाइंस थाना पुलिस ने मुख्य जेल प्रहरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं जेल प्रशासन ने मुख्य जेल प्रहरी को ड्यूटी से हटाकर मामले की जानकारी मुख्यालय भेजी है। जेल अधीक्षक आर. अनंतेश्वर के अनुसार- गोलियों के संबंध में प्रहरी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

राजस्थान उच्च न्यायालय का बड़ा फैसला

सरफेसी एक्ट के तहत संपत्ति पर कब्ज़ा दिलाने के लिए पुलिस सहायता हेतु शुल्क नहीं वसूलेगी सरकार

जोधपुर(वि.सं.)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने सरफेसी अधिनियम (SARFAESI Act), 2002 के तहत सुरक्षित संपत्तियों का भौतिक कब्ज़ा लेने के मामलों में ऋणदाता बैंकों को एक बड़ी राहत प्रदान की है। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया है कि अधिनियम की धारा 14 के तहत मजिस्ट्रेट के आदेशों का पालन कराने के लिए पुलिस सहायता प्रदान करना राज्य का वैधानिक (statutory) दायित्व है, और इसके लिए बैंकों

या वित्तीय संस्थानों से कोई पुलिस सुरक्षा शुल्क (police protection charges) नहीं वसूला जा सकता। यह महत्वपूर्ण फैसला एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (AU Small Finance Bank Ltd.) द्वारा दायर डी.बी. स्पेशल अपील रिट (नंबर 1107/2026) व अन्य संबंधित अपीलों पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विनीत कुमार माथुर और जस्टिस चंद्र शेखर शर्मा की खंडपीठ ने 29 अक्टूबर 2026 को सुनाया। इस पूरे घटनाक्रम और न्यायिक कार्यवाही के संदर्भ में, बैंक की और से अधिकृत विधि अधिकारी अधिवक्ता गौरव भाटी ने बताया कि बैंक की और से अधिवक्ता विजय पुरोहित ने प्रभावी पैरवी की। मामले की पृष्ठभूमि के अनुसार, इससे पूर्व 12 अगस्त 2026 को एकल पीठ ने अपने

'मुख्यमंत्री की मानवीय पहल बनी जीवन का वरदान

'मा' योजना से प्रदेश में अंग प्रत्यारोपण को मिली नई दिशा

1,310 रोगियों का किडनी और 563 मरीजों का निःशुल्क बोन मैरो ट्रांसप्लांट

निःशुल्क अंग प्रत्यारोपण से किसी के घर के चिराग, किसी की मां, किसी के पिता को मिला नया जीवन

जयपुर(नि.सं.)। किसी परिवार के लिए इससे बड़ी पीड़ा क्या होगी कि अपनों की जिंदगी बचाने के लिए चिकित्सक अंग प्रत्यारोपण की सलाह दें, लेकिन महंगे इलाज का खर्च उसकी आर्थिक हैसियत से बाहर हो। एक ओर अपनों को बचाने की जंग और दूसरी ओर पैसों की मजबूरी। ऐसे कठिन समय में सरकार की स्वास्थ्य सुरक्षा योजना किसी परिवार के लिए उम्मीद की किरण बन जाए, यही जनकल्याण, सुशासन और संवेदनशीलता की सबसे बड़ी मिसाल है। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर शुरू की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा) योजना अंग प्रत्यारोपण जैसी स्थिति का सामना कर रहे जरूरतमंद मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही है।

इससे न केवल गरीब और असहाय रोगियों का जीवन बचाया जाना संभव हुआ है, बल्कि प्रदेश में अंगदान और अंग प्रत्यारोपण की मानवीय पहल में भी अभूतपूर्व प्रगति दर्ज हुई है। अंग प्रत्यारोपण जैसी जटिल और महंगी चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए योजना के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई सहायता के आंकड़े बताते हैं कि जरूरतमंद मरीजों तक स्वास्थ्य सुरक्षा पहुंचाने के प्रयासों को प्रदेश में नई गति मिली है। वर्तमान सरकार के 34 माह में प्रदेश में करीब 2 हजार ट्रांसप्लांट इस योजना के तहत किए गए हैं। साथ ही, 671 व्यक्तियों के कॉक्लियर इम्प्लांट किया गया है।

किडनी ट्रांसप्लांट रू 1,310 मरीजों को मिला उम्मीद का सहारा

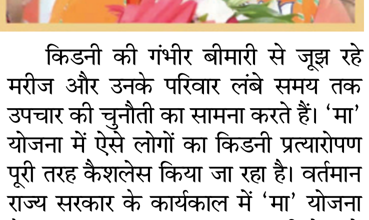

किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज और उनके परिवार लंबे समय तक उपचार की चुनौती का सामना करते हैं। 'मा' योजना में ऐसे लोगों का किडनी प्रत्यारोपण पूरी तरह कैशलेस किया जा रहा है। वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में 'मा' योजना के तहत अब तक 1,310 मरीजों को कैशलेस किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा मिली, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के पूरे कार्यकाल में यह संख्या 748 थी।

स्वामी और प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादकः बुधमती गोस्वामी एवं संपादकः रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJHIN/25/A 4779 ब्रांच ऑफिसः 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडीः editor.the uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइटः www.theuncoveredupdate.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।